▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 83 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 16-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कुलदीप यादव करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं टेस्ट रैंकिंग पर

6 गाजा में एक नई सुबह : युद्ध से शांति की ओर कदम

7 प्रेग्नेंसी के दौरान की थी 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग : इशिता दत्ता

फर्स्ट टेक

भारत सातवीं बार संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के लिए निर्वाचित

न्यूयॉर्क/भाषा। भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 2026-28 के कार्यकाल के लिए चुना गया है और यह भारत का सातवां कार्यकाल होगा। यूएनएचआरसी ने मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजों की घोषणा करते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत का तीन वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2026 से शुरू होगा।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घातक क्षेत्रवाद

कुछ खुदगर्जों के भय से,
ना करें पलायन रखें याद।
सारा भारत है घर अपना,
है निंदनीय ऐसा विवाद।
सड़ जाएगा सम्पूर्ण राष्ट्र,
यदि फैला यह गंदा मवाद।
सख्ती से निपटो तत्वों से।
घातक होता है क्षेत्रवाद।।

आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं है और अगर लोग यह मंत्र अपनाएं कि ''मैं सब में हूं और सब मुझमें हैं'' तो समाज में हिंसा रुक जाएगी।

गुजरात दौरे के दूसरे दिन, भागवत गांधीनगर शहर के पास कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती ध्यान केंद्र गए और आध्यात्मिक गुरु आचार्य महाश्रमणजी से मुलाकात की।

इस अवसर पर आरएसएस प्रमुख ने कहा, मैं हर साल इस जगह आता हूं ताकि अपनी ऊर्जा को पुनः संचारित कर सकूं।

संघ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में भागवत के हवाले से कहा गया, व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र का आधार नैतिकता है और नैतिकता की नींव आध्यात्मिकता है, क्योंकि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं है। इसलिए मैं उन स्थानों पर जाता हूं जहां मुझे अपने द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए आवश्यक ऊर्जा प्राप्त होती है।

आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए, भागवत ने कहा, अगर लोग उनके इस मंत्र - 'मैं सब में हूं और सब मुझमें हैं' को अपनाएं तो समाज में हिंसा रुक जाएगी। भागवत ने कहा कि आरएसएस के चल रहे शताब्दी वर्ष में कोई बड़ा आयोजन नहीं किया जाएगा क्योंकि ''अगर हम देश के लिए काम करते हुए 100 साल पूरे करते हैं, तो यह हमारा कर्तव्य था, इसका जश्न मनाने की कोई जरूरत नहीं है।

भागवत ने कहा कि बड़े-बड़े समारोहों के बजाय, आरएसएस कार्यकर्ताओं ने ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है जो पूरे समाज में समरसता पैदा करें।

संघ प्रमुख ने कहा, हमने पांच प्रकार के कार्यक्रमों के बारे में सोचा है जिनमें पारिवारिक शिक्षा, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य और स्वदेशी पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

2027 में पहला मानवयुक्त अंतरिक्षयान जाएगा : नारायणन

मानवयुक्त चंद्र मिशन 2040 तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बुधवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी ने 2040 तक भारतीयों को चंद्रमा पर उतारने का लक्ष्य रखा है, जबकि उसकी पहला मानव अंतरिक्ष यान मिशन 'गगनयान' 2027 में प्रक्षेपित करने की तैयारी है।

नारायणन ने कहा कि वर्तमान में कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष परियोजनाएं और क्षेत्रगत सुधार चल रहे हैं, जिनमें 2035 तक एक राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन और 2026 तक तीन मानवरहित 'गगनयान' मिशन शामिल हैं। उनके अनुसार, इनमें से पहला मिशन अर्ध-मानव रोबोट 'व्योममित्र' को दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

नारायणन ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2040 तक एक स्वदेशी मानवयुक्त चंद्र मिशन के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत हमें अपने नागरिकों को चंद्रमा पर उतारना होगा और उन्हें सुरक्षित वापस लाना होगा। ग्रह का अध्ययन करने के लिए एक शुक्र परिक्रमा मिशन (वीओएम) को भी मंजूरी दी गई है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के 2035 तक स्थापित होने की उम्मीद है, और अंतरिक्ष में प्रारंभिक मॉड्यूल 2027 की शुरुआत में स्थापित होने की उम्मीद है।

वह रांची स्थित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने आए थे।

नारायणन ने कहा, 'गगनयान' में कई विकास कार्य हो रहे हैं। हम कुछ और प्रयोगों की योजना बना रहे हैं। मानवयुक्त मिशन से पहले, हम तीन मानवरहित मिशनों की योजना बना रहे हैं। 'व्योममित्र' इस साल दिसंबर में उस पर उड़ान भरेगा। अगले साल दो और मानवरहित मिशन होंगे। मानवयुक्त 'गगनयान' मिशन 2027 की पहली तिमाही तक संभव होगा।

विश्व का नेतृत्व करने की राह पर भारत रेल

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारत रेल प्रौद्योगिकी प्रणालियों में दुनिया का नेतृत्व करने की राह पर है और इंजीनियरिंग नवाचार में सबसे आगे है। मंत्री ने यहां भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी (आईआरईई) के 16वें संस्करण का उद्घाटन किया। रेल मंत्रालय और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित आईआरईई-2025 में ऑस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया, स्विट्जरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका सहित 15 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 450 से ज्यादा कंपनियां भाग ले रही हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, एशिया के सबसे बड़े और विश्व के दूसरे सबसे बड़े रेल प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के रूप में मान्यता प्राप्त आईआरईई, रेल अवसंरचना और गतिशीलता में सहयोग, नवाचार और निवेश के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है।

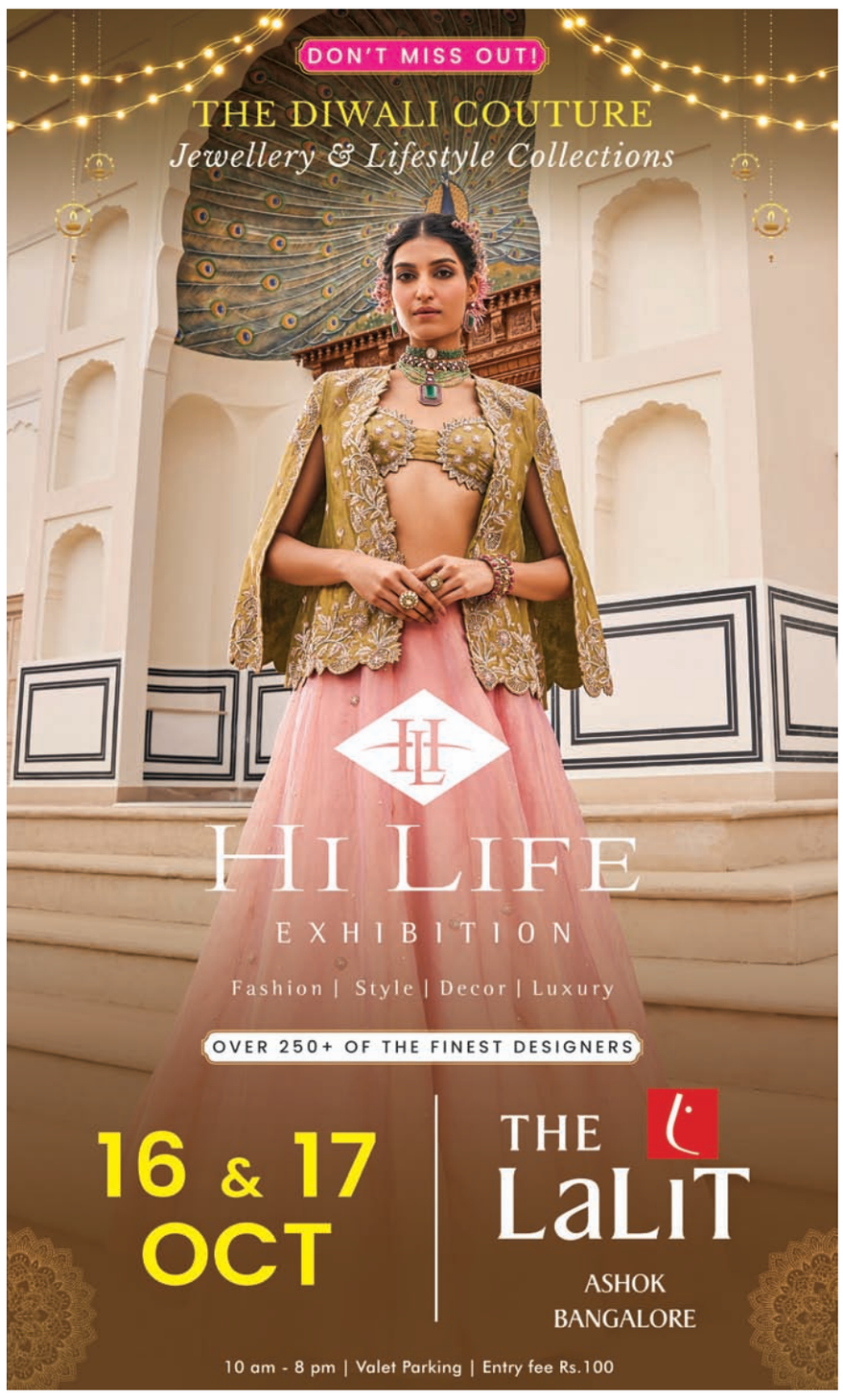

भारत-यूरोपीय संघ ने किया आतंकवाद-विरोधी संयुक्त प्रशिक्षण

नई दिल्ली/भाषा। यूरोपीय संघ और भारत ने शत्रुतापूर्ण ड्रोन से उभरते खतरों के खिलाफ महत्वपूर्ण अवसंरचना और आसान लक्ष्यों (सॉफ्ट टारगेट) की सुरक्षा के लिए अपनी तरह का पहला, आतंकवाद-विरोधी संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित किया। गुरुग्राम में बुधवार को समाप्त हुए इस तीन दिवसीय अभ्यास में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और यूरोपीय संघ के 'हाई रिस्क सिक्योरिटी नेटवर्क' (एचआरएसएन) के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षक और तकनीकी विशेषज्ञ एक साथ आए। यूरोपीय संघ के एक बयान में कहा गया है कि मानव रहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) का तेजी से प्रसार और राज्य तथा गैर-राज्यीय तत्वों द्वारा उनका दुरुपयोग गंभीर सुरक्षा चुनौतियां पैदा करता है। बयान में कहा गया है कि वाणिज्यिक ड्रोनों ने प्रौद्योगिकी और पहुंच दोनों में तेजी से प्रगति की है, जिससे वे सस्ते और अनुकूल उपकरण बन गए हैं। साथ ही, हिंसक चरमपंथियों ने निगरानी से लेकर हमले करने तक के उद्देश्यों के लिए इन उपकरणों का दुरुपयोग किया है। भारत-यूरोपीय संघ के आतंकवाद-विरोधी प्रशिक्षण का ध्यान उन्नत यूएएस और आतंकवाद-विरोधी यूएएस (सी-यूएएस) क्षमताओं के उपयोग पर केंद्रित था।

हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पण

जन्म
06.02.1940

स्वर्गवास
13.10.2025

स्व. श्री रामेश्वरप्रसाद शॉव

अत्यंत दुःख के साथ हमें सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य पिताजी श्री रामेश्वरप्रसाद शा का आकस्मिक निधन सोमवार, दि 13.10.2025 को हमारे मूल निवास बम्भई अरवल-बिहार में हो गया। विधि के इस विधान के समक्ष हम सभी नतमस्तक हैं। हम सभी परिवारजन उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

दिन न निकला ऐसा की, आपकी याद न आई, जब भी आया मौका, आँसुओं को न रोक पाए हम।
असीम प्यार छोड़ा है आपने दिलों में हमारे, भुला न पाएंगे आपको, इस जन्म में हम ।
देह भले ही छोड़ गए हो, दिलों से जा नहीं पाओगे, परम आदरणीय आप हमें जीवन भर याद आओगे
हे आदरणीय अर्पित है हम सभी भी श्रद्धांजलि, स्वीकार करें हम सभी की भावांजलि।

श्रद्धावनत्

सुपुत्र-पुत्रवधु : चंद्रिकाप्रसाद-बृंदादेवी, जे.के. प्रसाद-पूनम, शिवप्रसाद-अंजली,
पौत्र : रमाशंकर, जयशंकर, उमाशंकर, महाशंकर, आदित्य, रितिक,
पौत्री : रोशनी, पुष्पा गुप्ता एवं समस्त गुप्ता परिवार

JKS Jewels Pvt Ltd.
JKS & sons Pvt Ltd., House of Jewels, Dubai
JKS Manufacturing & Export Pvt. Ltd.
Bangalore - Kolkata - Mumbai - Chennai - Dubai

उच्चतम न्यायालय ने हरित पटाखों को लेकर कई निर्देश जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिवाली के दौरान दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरित पटाखों की बिक्री और चलाने की अनुमति देते हुए बुधवार को उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी अंतरिम निर्देश निम्नलिखित हैं।

- नीरी की वेबसाइट पर अपलोड सूची के अनुसार 18 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, दिवाली के दिन तक हरित पटाखों की बिक्री की अनुमति होगी।
- हरित पटाखों की बिक्री केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निर्दिष्ट स्थानों पर ही की जाएगी, जिन्हें जिलाधीशों द्वारा पुलिस अधीक्षक के परामर्श से चिन्हित किया जाएगा तथा व्यापक प्रचार किया जाएगा।
- पुलिस प्राधिकारी, जिला प्रशासन के परामर्श से, बिक्री के निर्दिष्ट स्थानों पर निगरानी रखने के लिए गश्ती दल गठित करेंगे।
- एनसीआर राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा नामित अधिकारी गश्ती दलों का हिस्सा होंगे।
- गठित गश्ती दल, नीरी (राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान) की वेबसाइट पर अपलोड किए गए हरित पटाखा उत्पादों तथा दिए पंजीकरणों तथा व्यक्तिगत निर्माताओं को जारी क्यूआर कोड की जानकारी रखेंगे।
- गश्ती दल निर्धारित स्थलों पर नियमित रूप से निरीक्षण करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल अनुमत उत्पाद ही बेचे जाएं और उन पर भी क्यूआर कोड जारी किए गए हों।
- वे विश्लेषण के उद्देश्य से बिना किसी निर्धारित क्रम के नमूने भी लेंगे, जिन्हें पीईएसओ को

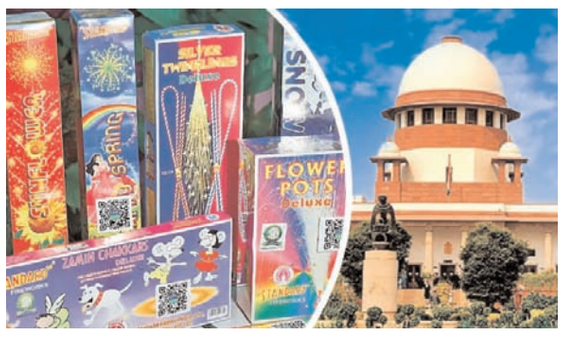

प्रेषित किया जाएगा।
- उल्लंघन पाए जाने पर निर्माताओं का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा।
- जिला प्रशासन और पुलिस यह सुनिश्चित करेंगे कि पटाखों का उपयोग दिवाली से पहले और दिवाली के दिन, दोनों दिन सुबह 6:00 बजे से 7:00 बजे तक और रात 8:00 बजे से 10:00 बजे तक ही सीमित रहे।
- बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के माध्यम से ही की जाएगी तथा उन व्यापारियों द्वारा निर्मित हरित पटाखों की बिक्री की जाएगी जो नीरी में पंजीकृत हैं तथा जिन्होंने पीईएसओ (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) से लाइसेंस प्राप्त किया है।
- यदि कोई पटाखा पाया जाता है, जो पंजीकृत/लाइसेंस प्राप्त निर्माताओं द्वारा निर्मित नहीं है, तो उसे जब्त कर लिया जाएगा।
- उक्त क्षेत्र के बाहर से एनसीआर क्षेत्र में कोई भी पटाखे लाने की अनुमति नहीं होगी।
- बेरियम युक्त पटाखों और उन पटाखों के उपयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी जो नीरी द्वारा हरित पटाखों के रूप में अनुमोदित नहीं हैं और यदि वे बिक्री के लिए या किसी व्यक्ति/व्यापारी के कब्जे में पाए जाते हैं, तो उन्हें तुरंत जब्त कर लिया जाएगा।
- शृंखलाबद्ध पटाखों (लड़ियों) का निर्माण व बिक्री नहीं की जाएगी।
- ई-कॉमर्स नेटवर्क के माध्यम से पटाखों की बिक्री या खरीद नहीं की जाएगी तथा ऐसे उत्पादों की आपूर्ति रोक दी जाएगी व उत्पाद को जब्त कर लिया जाएगा।
- प्रतिबंध लागू होने के बाद समाप्त या रद्द किए गए व्यापारियों के लाइसेंस को वैधानिक प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित अवधि के लिए नवीनीकृत किया जाएगा।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और एनसीआर के अंतर्गत आने वाले जिलों में उनके संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के परामर्श से 14 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक अपने-अपने क्षेत्राधिकार में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की निगरानी करेगा और प्रत्येक दिन के एक्यूआई को निर्दिष्ट करते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- ऐसी निगरानी के साथ-साथ, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय विश्लेषण के लिए अधिक घनत्व वाले स्थलों से रेत और पानी के नमूने भी लेंगे।
- न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यह छूट केवल परीक्षण के आधार पर है और यह केवल निर्दिष्ट अवधि के लिए ही होगी।

आईएमएफ का वृद्धि अनुमान बढ़ाना भारत की आर्थिक मजबूती का प्रमाण : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) का चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत करना देश की आर्थिक मजबूती और मजबूत बुनियादी ढांचे का प्रमाण है।

आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को 6.4% से बढ़ाकर 6.6% कर दिया है। गोयल ने रसायन एवं पेट्रोरसायन उद्योग के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.8% की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि देश में निवेश, उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी में कटौती के कारण आर्थिक आत्मविश्वास को दर्शाती है। इसी महीने विश्व बैंक ने भी भारत के वृद्धि अनुमान को 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था। गोयल ने उद्योग से वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नेतृत्व करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी उद्योग मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में मामूली रियायतों को लेकर अनावश्यक आपत्ति करता है, जो देश की कमजोर छवि पेश करता है। उन्होंने आपूर्ति शृंखला की मजबूती और विविधीकरण पर जोर देते हुए कहा कि एक ही आपूर्तिकर्ता या सीमित देशों पर निर्भरता से इस क्षेत्र में जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

भारत ने सितंबर में रूस से 2.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत ने सितंबर में रूस से कच्चा तेल खरीदने में 2.5 अरब यूरो खर्च किए, जो अगस्त की तुलना में 14 प्रतिशत कम है। यह जानकारी एक यूरोपीय शोध संस्थान ने दी। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत सितंबर में रूसी ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा। उससे अधिक 5.5 अरब यूरो की खरीद चीन ने की। भारत की रूस से कुल खरीद में कच्चा तेल 77 प्रतिशत (2.5 अरब यूरो), कोयला 13 प्रतिशत (45.2 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद 10 प्रतिशत (34.4 करोड़ यूरो) रहा। सीआरईए ने कहा, पिछले महीने भारत की रूस से कच्चे तेल की आयात मात्रा लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन थी, जो मासिक आधार पर नौ प्रतिशत कम है। इसके अलावा यह इस साल फरवरी के बाद का सबसे निचला स्तर भी रहा। सितंबर महीने में आई इस गिरावट का मुख्य कारण यह है कि सार्वजनिक स्वामित्व वाली तेल रिफाइनरियों ने रूस से आयात करीब 38% कम कर दिया।

फास्टैग सालाना पास उपयोग करने वालों की संख्या 25 लाख के पार

नई दिल्ली/भाषा। फास्टैग वार्षिक पास पेश किए जाने के दो महीनों में ही इसका उपयोग करने वालों की संख्या 25 लाख को पार कर गई है। फास्टैग सालाना पास 15 अगस्त, 2025 को पेश किया गया था। यह पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को एक सहज और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करता है और यह राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू है। वार्षिक पास एक वर्ष की वैधता या 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग के लिए 3,000 रुपए के एकमुश्त शुल्क भुगतान के माध्यम से लिया जा सकता है। इससे फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की आवश्यकता खत्म हो जाती है। यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए लागू है। राजमार्गयात्रा ऐप या एनएचएआई वेबसाइट के माध्यम से एकमुश्त शुल्क भुगतान के बाद वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर सालाना पास दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है। सालाना पास दूसरे को नहीं दिया जा सकता है और राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे (एनई) शुल्क प्लाजा पर मान्य है।

पंजाब में सीमा पार से हथियार, नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने बुधवार को तीन लोगों को गिरफ्तार कर पाकिस्तान से जुड़े हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क का पर्दाफाश किया। अमृतसर पुलिस ने आरोपियों के पास से 500 ग्राम अफीम और 10 अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद किए।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी एक अंतर-जिला गिरोह संचालित कर रहे थे और पाकिस्तान स्थित एक हैंडलर से जुड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए हथियार पंजाब में गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए गैंगस्टरों और अपराधियों को पहुंचाए जाने थे। अमृतसर के सदर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। डीजीपी ने कहा, पूरे नेटवर्क को उजागर करने और ध्वस्त करने के लिए जांच जारी है।

पेटीएम ने समूह संरचना को सरल बनाया, प्रमुख इकाइयों को लिया प्रत्यक्ष स्वामित्व में

नई दिल्ली/भाषा। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने अपनी कई वित्तीय एवं प्रौद्योगिकी अनुषंगी कंपनियों को प्रत्यक्ष स्वामित्व में लाने के लिए एक व्यापक आंतरिक पुनर्गठन योजना को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि उनके निदेशक मंडल ने लेनदेन को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने इस कदम को समूह संरचना को सरल बनाने तथा अनुषंगी स्वामित्व में कुछ परिवर्तन करने की दिशा में एक कदम बताया है। सभी लेन-देन स्वतंत्र रूप से मूल्यांकित किए गए तथा विनियामक प्रावधानों के अनुसार निष्पक्ष आधार पर किए गए। इस कदम का उद्देश्य कॉरपोरेट संरचना को सरल बनाना, पारदर्शिता और दक्षता में सुधार करना है। योजना के तहत, कंपनी पेटीएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में संस्थापक विजय शेखर शर्मा और उनकी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई वीएसएस इन्वेस्टको प्राइवेट लिमिटेड से लगभग 51.22 प्रतिशत इक्विटी का अधिग्रहण उचित मूल्य पर 0.5 करोड़ रुपए तक में करेगी। इसके बाद, पेटीएम फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन जाएगी।

दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच व निगरानी के लिए कानून लाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार चिकित्सा उत्पादों के लिए सुरक्षा व गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों के सख्त अनुपालन की बढ़ती मांग के बीच एक कानून तैयार कर रही है, जिसका मकसद चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों का नियमन और औषधि गुणवत्ता परीक्षण व बाजार निगरानी को मजबूत बनाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) समेत दुनिया भर के स्वास्थ्य नियामकों ने भारतीय दवा की गुणवत्ता में गंभीर खामियों को लेकर बार-बार शिकायतें की हैं और चिंताएं जताई हैं, जो इस कानून का मसौदा तैयार करने के पीछे एक प्रमुख कारण है।

सूत्रों ने बताया कि भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव रघुवंशी ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक उच्च-स्तरीय बैठक में 'औषधि, चिकित्सा उपकरण एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 2025' का मसौदा प्रस्तुत किया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने की। बैठक के दौरान, डीसीजीआई और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तावित कानून की रूपरेखा प्रस्तुत की। मध्य प्रदेश में दूषित कफ सिरप के कारण कई बच्चों की मौत के कुछ दिनों बाद यह बैठक हुई है।

'कुछ ही मंचों तक सेवाओं के केंद्रीकरण से उत्पन्न जोखिम पर ध्यान देने की जरूरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने कहा है कि आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भरता और कुछ ही मंचों तक सेवाओं के केंद्रीकरण से उत्पन्न डिजिटल जोखिमों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो ये वित्तीय प्रणाली को व्यापक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

स्वामीनाथन ने कहा कि डिजिटल नवोन्मेष भुगतान से आगे बढ़कर समावेश को बढ़ा रहा है। छोटी राशि के बीमा और पेंशन उत्पाद तेजी से डिजिटल मंच के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे कम आय वाले परिवारों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने में मदद मिल रही है। उन्होंने छह अक्टूबर, 2025 को 'डिजिटल नवाचार के माध्यम से वित्तीय समावेश को आगे बढ़ाना' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सीमा पार यूपीआई लिंक धन प्रेषण को तेज, सस्ता और अधिक निर्बाध बना रहे हैं, जिससे औपचारिक चैनल में विश्वास मजबूत हो रहा है। डिप्टी गवर्नर ने कहा, रिजर्व बैंक में, हम एक ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जहां नवोन्मेष जिम्मेदारी से आगे बढ़ सके। स्वामीनाथन ने कहा कि नियामक सैंडबॉक्स, नवोन्मेष केंद्र और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के लिए सक्षम ढांचे जैसे उपायों के जरिये, आरबीआई सुरक्षित, टिकाऊ और ग्राहक-केंद्रित नए समाधानों के विकास को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा, साथ ही, हम संचालन, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सुरक्षा पर भी जोर देते हैं।

जीएसटी दर में कटौती, त्योहारी उत्साह से सितंबर में वाहनों की बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी सुधारों और त्योहारों के उत्साह से यात्री वाहन एवं दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री/आपूर्ति सितंबर में बढ़ी। इससे उद्योग के लिए चालू वित्त वर्ष के सकारात्मक अंत की उम्मीद बढ़ गई है। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 3,72,458 इकाई हो गई जबकि सितंबर, 2024 में यह 3,56,752 इकाई था।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बयान में कहा कि सितंबर में दोपहिया वाहनों की बिक्री सात प्रतिशत वृद्धि के साथ 21,60,889 इकाई रही जबकि सितंबर, 2024 में यह 20,25,993 इकाई थी। तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़कर 84,077 इकाई हो गई। यह सितंबर, 2024 के 79,683 इकाई की तुलना में 5.5 प्रतिशत अधिक है। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने यहां पत्रकारों से कहा, 22 सितंबर से (केवल नौ दिनों के लिए) नई माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरें लागू होने के बाद यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों ने सितंबर में अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रमुख अनुकूल परिस्थितियों से इस क्षेत्र का परिदृश्य उत्साहजनक बना हुआ है। चंद्रा ने कहा, जीएसटी 2.0 सुधार सरकार का एक ऐतिहासिक निर्णय है, जो भारतीय मोटर वाहन उद्योग को अगले स्तर पर पहुंचाने के अलावा पूरी अर्थव्यवस्था में जीवंतता लाएगा...''।

छत्तीसगढ़ में 78 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांकेर/सुकमा/कोंडागांव (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ में बस्तर क्षेत्र के तीन जिलों में 43 महिला नक्सलियों और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के दो सदस्यों समेत 78 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यह घटनाक्रम महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में मंगलवार को वरिष्ठ नक्सली मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति और 60 अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक आत्मसमर्पण के बाद हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि बस्तर क्षेत्र के सुकमा जिले में 10 महिलाओं समेत 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है तथा उनमें से 16 नक्सलियों पर कुल 50 लाख रुपए का इनाम है। उन्होंने बताया कि कांकेर जिले में माओवादियों की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के दो सदस्यों और 32 महिला नक्सलियों समेत 50 नक्सलियों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक शिविर में आत्मसमर्पण कर दिया। कांकेर, गढ़चिरौली का निकटवर्ती जिला है।

अधिकारियों ने बताया कि वहीं क्षेत्र के कोंडागांव जिले में आज पांच लाख रुपए की इनामी महिला नक्सली ने आत्मसमर्पण किया है।

उन्होंने बताया कि कांकेर जिले में माओवादियों की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) के सदस्य राजमन मंडावी और राजू सलाम के नेतृत्व में नक्सलियों का एक समूह कोयलीबेड़ा थानाक्षेत्र में बीएसएफ की 40वीं बटालियन के कामतेरा शिविर में पहुंचा।

अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने 39 हथियार भी सौंपे, जिनमें सात एके-47 राइफलें, दो 'सेल्फ-लोडिंग' राइफलें, चार इंसास राइफलें, एक इंसास 'एलएमजी (लाइट मशीन गन)' और एक 'स्टेन गन' शामिल हैं।

अधिकारियों का कहना है कि कैडरों में पांच डिविजनल कमेटी सदस्य--प्रसाद ताड़ामी, हीरालाल कोमरा, जुगनू कोवाची, नरसिंह नेताम और नंदे (राजमन मंडावी की पत्नी) हैं। अन्य में 21 एरिया कमेटी सदस्य और 21 पार्टी सदस्य शामिल हैं।

अब केवल तीन जिले ही नक्सलवाद से सर्वाधिक प्रभावित: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या छह से घटकर तीन रह गई है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अब छत्तीसगढ़ में केवल बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर ही वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से सबसे ज्यादा प्रभावित जिले हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भाकपा (माओवादी) के 88 सदस्यों ने आत्मसमर्पण कर दिया है, जो नक्सल विरोधी अभियान की एक और सफलता है।

मंत्रालय ने कहा, नक्सल-मुक्त भारत के निर्माण के मोदी सरकार के दृष्टिकोण की दिशा में एक बड़ी सफलता के तहत नक्सलवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों की संख्या छह से घटकर तीन रह गई है। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की श्रेणी में भी यह संख्या 18 से घटकर केवल 11 रह गई है। अब केवल 11 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं। बयान में दोहराया गया कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 31 मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेशेवर लोगों को समाज से जोड़ने का विकल्प भी बनकर उभर रहा है 'को-लिविंग'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रियल एस्टेट जगत में को-लिविंग तेजी से विकसित होता क्षेत्र होने के साथ ही लोगों को समाज से जोड़ने का विकल्प बनकर उभर रहा है। को-लिविंग या सह-आवास एक ऐसी आवासीय व्यवस्था है जिसमें अलग-अलग लोग जो अक्सर एक-दूसरे को पहले से नहीं जानते, एक ही घर या अपार्टमेंट में अपने-अपने निजी कमरों में रहते हैं लेकिन रसोई, लिविंग रूम' जैसी सुविधाएं साझा करते हैं।

को-लिविंग क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप 'ट्रूलिव' के निवासी पुरुषोत्तम ने 'भाषा ' से कहा, जब मैं पहली बार अपना काम के सिलसिले में चेन्नई आया तो मैं बिल्कुल अकेला था। ट्रूलिव के सह-आवास में रहने के फैसले से सब कुछ बदल गया। यहां रहने से मुझे कभी अकेलापन महसूस नहीं होता बल्कि अब कई लोग मेरे दोस्त बन गए हैं। आईटी पेशेवर पुरुषोत्तम ने कहा, हम खाली समय में हमेशा साथ में कुछ न कुछ करते रहते हैं। शुक्रवार रात की फिल्म देखने से लेकर सामुदायिक आयोजन तक यहां होते रहते हैं। हमेशा कुछ न कुछ चलता रहता है। मैं पहले भी कई पीजी (पेइंग गेस्ट आवास) में रहा हूं, लेकिन वहां कभी इतना अपनापन व सहजता महसूस नहीं की। 'ट्रूलिव' के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोहित रेड्डी ने 'भाषा' से कहा, को-लिविंग अब तेजी से बढ़ता बाजार है यह रियल एस्टेट में काम करने का एक बेहद 'स्मार्ट' तरीका बन गया है। इसमें कम जगह से अच्छी कमाई की जा सकती है। उन्होंने कहा, बड़ी संख्या में लोग अब शहरों का रुख कर रहे हैं और उन्हें रहने के लिए उचित स्थान की तलाश है जो तमाम सुविधाओं से लैस होने के साथ-साथ किफायती भी हो। ऐसे में को-लिविंग छात्रों, कामकाजी लोगों आदि की पहली पसंद बनता जा रहा है। रेड्डी ने कहा, बढ़ती मांग के साथ यह क्षेत्र 17 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है और आगे भी इसमें तेजी बने रहने की उम्मीद है। इसी क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप 'निवो' की को-लिविंग सुविधा में रहने वाली रेखा (22) ने कहा, घर एवं परिवार से दूर निवो एक ऐसी जगह है जहां सुरक्षित महसूस होता है। इसमें तमाम सुविधाएं होने के साथ ही नए लोगों को जानने तथा उनके साथ रहने का अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा, घरों से दूर नौकरी या पढ़ाई के लिए दूसरे शहर जाने वाले लोग अक्सर व्यस्त दिनचर्या में अकेलापन महसूस करते हैं ऐसे में को-लिविंग उन्हें समाज से जोड़े रखने का काम करता है। 'निवो' के संस्थापक प्रणय चौधरी ने कहा कि जैसे-जैसे अधिक लोग बड़े शहरों का रुख कर रहे हैं निजी और पेशेवर जिंदगी को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

जम्मू कश्मीर में सभी आतंकवाद पीड़ितों के लिए इंसाफ सुनिश्चित करेंगे : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि उनका प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि इस केंद्रशासित प्रदेश में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी घटनाओं में मामले दर्ज किए जाएं और सभी पीड़ितों को न्याय मिले।

सिन्हा ने कुपवाड़ा जिले के दर्दपोरा गांव का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा, हमने पिछले तीन-चार महीनों में एक अभियान शुरू किया है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आतंकवाद के सभी पीड़ितों को न्याय मिले। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की वजह से नुकसान उठाने वाले 250 से अधिक लोगों को नौकरी मिल गई है। उन्होंने कहा, बाकी मामलों में भी काम चल रहा है। चुनाव के बाद उन्हें (पीड़ितों को) नौकरी मिल जाएगी। बाद में, सोशल मीडिया

पर सिन्हा ने कहा कि प्रशासन आतंकवाद पीड़ितों के लिए हर संभव सहायता सुनिश्चित करेगा ताकि वे अपनी जिंदगी पुनः संवार सकें। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, आज, (मैंने) कुपवाड़ा के दर्दपोरा में आतंकवाद पीड़ित परिवारों से बातचीत की। कुपवाड़ा के जीडीसी में (मैंने) आतंकवाद पीड़ितों के परिजनों को भी संबोधित किया। मैंने परिवार के सदस्यों को आश्वासन दिया है कि उनका दशकों पुराना आघात, पीड़ा और कष्ट का समय बीत गया है। हम उन्हें हर संभव सहायता सुनिश्चित करेंगे ताकि वे अपनी जिंदगी संवार सकें। उन्होंने कहा, पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा मारे गए नागरिकों के परिवारों को भी व्यवस्थागत बाधाओं का सामना करना पड़ा, जिससे उनकी प्रगति बाधित हुई। उन्हें उनके अधिकारों और संसाधनों तक पहुंच से वंचित रखा गया। अब सभी बाधाएं दूर हो गई हैं और हम आतंकवाद पीड़ित परिवारों के लिए न्याय एवं सम्मान सुनिश्चित कर रहे हैं।

सिद्दरामय्या ने नवंबर क्रांति को खारिज किया, कहा, नेतृत्व परिवर्तन की कोई मांग नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को राज्य की राजनीति में नवंबर क्रांति की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि नेतृत्व परिवर्तन की कोई मांग नहीं है। उन्होंने दोहराया कि सोमवार को उनके कैबिनेट सहयोगियों के लिए आयोजित रात्रिभोज का नेतृत्व परिवर्तन या राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। नवंबर में कांग्रेस सरकार के ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने पर राज्य में सत्ता परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसे कुछ लोग नवंबर क्रांति कह रहे हैं। कुछ लोग नवंबर क्रांति को मुख्यमंत्री परिवर्तन के रूप में भी देखते हैं।

सिद्दरामय्या ने नेतृत्व परिवर्तन और कैबिनेट सहयोगियों के लिए आयोजित रात्रिभोज बैठक के बारे में अटकलों पर संवाददाताओं द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, रात्रिभोज बैठक और राजनीति के बीच कोई संबंध नहीं है। मैं नियमित रूप से इस तरह के रात्रिभोज का आयोजन करता हूं और हम रात्रिभोज के लिए मिलते रहते हैं और इस तरह के मिलन समारोह होते रहते हैं। हम पार्टी के मामलों पर चर्चा करते हैं। इसके अलावा नेतृत्व परिवर्तन या किसी अन्य राजनीतिक मामले पर कोई चर्चा नहीं हुई है।

अटकलों पर आलाकमान की 'चुप्पी' के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व फिलहाल बिहार चुनाव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, बाद में देखते हैं कि वे क्या कहते हैं। आलाकमान जो भी कहेगा, हम उसका पालन करेंगे।

नवंबर क्रांति पर बातचीत के बारे में पूछे गए एक प्रश्न पर उन्होंने पलटकर कहा, कोई क्रांति नहीं है, कोई भ्रांति नहीं है। नेतृत्व परिवर्तन की मांग और इसके लिए आलाकमान तथा विधायकों की मंजूरी की आवश्यकता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ऐसी कोई मांग नहीं है, आप (मीडिया) ऐसी बातें कर रहे हैं। ऐसी मांग कहीं नहीं है, अनावश्यक अटकलें लगाई जा रही हैं।

राज्य के राजनीतिक हलकों में, विशेषकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर, इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री तथा कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने के कथित समझौते का हवाला दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के परिवर्तन की चर्चाओं के बीच सिद्दरामय्या लगातार दोहराते रहे हैं कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

सरकार आम जगहों पर परेशानी पैदा करने वाले संगठनों की गतिविधियों को रोकना चाहती है : सिद्दरामय्या

हासन। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार न केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बल्कि स्कूलों, सार्वजनिक परिसरों या पार्कों में अशांति फैलाने वाले किसी भी संगठन की गतिविधियों को रोकना चाहती है। उन्होंने कहा कि अधिकारी इस संबंध में पड़ोसी राज्य तमिलनाडु द्वारा उठाए गए कदमों का अध्ययन कर रहे हैं। सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव को सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने का निर्देश दिया था।

मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, न केवल आरएसएस, बल्कि किसी भी संगठन को स्कूलों, सार्वजनिक परिसरों और पार्कों में ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे दूसरों को परेशानी हो। तमिलनाडु ने इस संबंध में कदम उठाए हैं। हम इस बारे में जानकारी जुटा रहे हैं कि तमिलनाडु ने क्या किया है। राज्य सरकार में मंत्री प्रियंक खरगे ने हाल में सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर पूरे कर्नाटक में सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था।

खरगे ने दावा किया था कि ऐसी गतिविधियां भारत की एकता और संविधान के खिलाफ हैं।

आशीर्वाद

बुधवार को हासन में प्रसिद्ध श्री हसन्भा मंदिर के जात्रे समारोह में माता हसनम्भा देवी के दर्शन करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या। इस मौके पर उन्होंने मंदिर में पूजा पर माता का आशीर्वाद लिया। इस मंदिर में साल में एक बार ही माता के दर्शन होते हैं जिसके लिए यहां जात्रा का आयोजन किया जाता है।

सिद्दरामय्या ने बिहार चुनाव के बाद कर्नाटक में मंत्रिमंडल फेरबदल पर विचार का संकेत दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को संकेत दिया कि बिहार चुनाव के बाद कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल पर विचार किया जा सकता है। नवंबर में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से यह बात कही। मंत्रिमंडल में फेरबदल के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सिद्दरामय्या ने कहा, चुनाव खत्म होने के बाद देखते हैं।

सिद्दरामय्या ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ रात्रिभोज पर बैठक की थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सिद्दरामय्या और उनका खेमा मंत्रिमंडल में फेरबदल की योजना बना रहा है। सूत्रों ने कहा कि सरकार के कार्यकाल के ढाई साल पूरे होने के बाद किसी भी मंत्रिमंडल फेरबदल को इस बात का संदेश माना जाएगा कि सिद्दरामय्या पूरी तरह से सत्ता में हैं।

उन्होंने कहा कि यह उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के लिए एक झटका माना जा रहा है, जिनके बारे में कहा जा रहा था कि वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा पेश करने का इंतजार कर रहे हैं। शिवकुमार ने शनिवार को राज्य में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलों को कोई तव्वजो न देते हुए इसे मीडिया में जारी अफवाह बताया था।

राज्य के राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में पिछले कुछ समय से अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदला जा सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि 2023 में कांग्रेस की सरकार बनने के समय मुख्यमंत्री पद को लेकर एक गुप्त समझौता हुआ था।

कांग्रेस विधायकों का एक वर्ग भी पिछले कुछ समय से मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की मांग कर रहा है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री समेत 34 मंत्री हो सकते हैं। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में गबन के आरोपों के बाद मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे और हाल ही में के. एन. राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए जाने के बाद मंत्रिमंडल में दो पद खाली हैं।

किसान कृषि को लाभकारी बनाने के लिए पीएमएफएमई, पीएमडीडीकेवाई का फायदा उठाएं : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि को लाभकारी व्यवसाय में बदलने के लिए बुधवार को किसानों से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को संगठित क्षेत्र में लाने की योजना पीएमएफएमई और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) का पूरा लाभ उठाने की अपील की। सीतारमण ने कर्नाटक के कोप्पल जिले में किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का उद्घाटन करते हुए कहा कि नई पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार ग्रामीण और कृषि समुदायों के लिए भी फायदेमंद होंगे। इस केंद्र की स्थापना सीतारमण के 'सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि' (एमपीएलएडी) से की गई है।

सीतारमण ने बताया कि पीएमएफएमई योजना कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत केंद्र सरकार वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है और उद्यमों को आधुनिक बनाने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित कर गांवों में रोजगार सृजन पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा, वर्ष, 2020 से अब तक केंद्र ने राज्यों को 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की है। किसानों के लिए 11,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। एक लाख से अधिक कृषि उद्यमी सामने आए हैं।

वित्त मंत्री ने पीएमडीडीकेवाई योजना का जिक्र करते हुए कहा, ''वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना के तहत 24,000 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। कोप्पल इस योजना से लाभान्वित होने वाले जिलों में से एक है।''

इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसलों का विविधीकरण प्रोत्साहित करना और 100 कम उत्पादक जिलों में किसानों की आजीविका सुधारना है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक के 43 लाख किसान 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के लाभार्थी हैं, जिसके तहत उन्हें प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन किस्तों में सीधे उनके खातों में दिए जाते हैं। सीतारमण ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर दिवाली से पहले जीएसटी परिषद ने नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार किए। नवरात्रि के दौरान इसे लागू भी कर दिया गया। अब कृषि उपकरण, सौर ऊर्जा संयंत्र, ट्रैक्टर और कृषि मशीनरी पर कर या तो हटा दिए गए हैं या 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जैव कीटनाशकों, सूक्ष्म पोषक तत्वों और जैव उर्वरकों पर भी जीएसटी दरों में कटौती की गई है। नाबार्ड द्वारा कर्नाटक सरकार के सहयोग से स्थापित यह सुविधा केंद्र 840 टन आम और 600 टन पपीते के प्रसंस्करण एवं भंडारण की क्षमता रखता है। यहां तैयार उत्पादों को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से प्रमाणित किया गया है। सीतारमण ने कहा कि नाबार्ड किसानों को प्रशिक्षण भी दे रहा है ताकि वे इस सुविधा का पूरा उपयोग कर सकें।

उन्होंने इसे उत्तर कर्नाटक के 'अक्षय पात्र' कहे जाने वाले कोप्पल जिले के किसानों के जीवन में सुधार की दिशा में एक बढ़िया कदम बताते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के वोकल फॉर लोकल' दृष्टिकोण को साकार करता है। वित्त मंत्री ने इस सुविधा केंद्र की शुरुआत में सहयोग के लिए कर्नाटक सरकार का आभार जताते हुए कहा कि वह कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के सभी सात जिलों में अपनी सांसद निधि का उपयोग कर रही हैं।

खाता रूपांतरण

बुधवार को विधान सौधा में बेंगलूरु अर्थारिटी (जीबीए) के तहत 'बी' खाता को 'ए' खाता में रूपांतरण करने के कार्य का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया। उन्होंने कहा की कर्नाटक में पांच गारंटी के बाद लोगों को यह छठवीं गारंटी के रूप में योजना का शुभारंभ किया है।

राज्य में भारी बारिश और सूखे पर सरकार का ध्यान नहीं चलवादी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी ने भारी बारिश, सूखे और गड्ढों पर ध्यान न देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की है। बुधवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि राज्य में कई जगहों पर भारी बारिश हुई और राज्य सरकार ने इसकी ज़रा भी परवाह नहीं की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, मैं, आर. अशोक और सी.टी. रवि और कई अन्य नेता दो समूहों में भारी बारिश वाले इलाकों का दौरा किया है। हमारे जाने के बाद, मुख्यमंत्री विमान में सवार हुए और कुछ घोषणाएँ कीं। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि घोषणाएँ लोगों तक नहीं पहुँचीं। राज्य के कलबुर्गी, चिक्कोडी और बीजापुर क्षेत्रों में लोग पहले से ही सड़कों पर उतरकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। चिक्कबल्लापुर, चित्रदुर्ग, तुमकुर और कोलार जैसे इलाकों में सूखा पड़ा है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि सरकार ने इस बारे में कोई ध्यान नहीं दिया।

मेघालय और त्रिपुरा के पत्रकारों ने 'बीएचईएल' का दौरा किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मेघालय और त्रिपुरा के पत्रकारों का एक 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, जो वर्तमान में कर्नाटक के प्रेस दौरे पर है, ने बुधवार को बेंगलूरु में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिवीजन (ईएसडी) का दौरा किया, जहाँ उन्हें प्रमुख राष्ट्रीय क्षेत्रों में डिवीजन की तकनीकी क्षमताओं, रणनीतिक योगदान और भविष्योन्मुखी पहलों का व्यापक अवलोकन कराया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिवीजन के महाप्रबंधक अनबालागन ने प्रेस प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और उन्हें जानकारी दी।

पत्रकारों को ईएसडी की विनिर्माण सुविधाओं, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और परीक्षण प्रयोगशालाओं का निर्देशित दौरा कराया गया, जहाँ उन्होंने बीएचईएल की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को परिभाषित करने वाले उन्नत बुनियादी ढाँचे और कठोर गुणवत्ता प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

इस दौरे से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतरिक्ष-स्तरीय प्रणालियों, परिवहन और औद्योगिक स्वचालन में डिवीजन की क्षमताओं के साथ-साथ भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहलों के साथ इसके संरेखण के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिली।

फोन पर धमकी मिलने के बाद प्रियंक खरगे की सुरक्षा बढाई जाएगी : सिद्दरामय्या

मैसूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि मंत्री प्रियंक खरगे को फोन पर धमकियां मिलने के मद्देनजर उनकी सुरक्षा बढ़ा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बुरी ताकतें इसी तरह व्यवहार करती हैं और खरगे को डराया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने मैसूरु में संवाददाताओं से कहा, उन्होंने (प्रियंक खरगे) मुझे यह भी बताया था कि उन्हें फोन पर धमकियां दी जा रही हैं। उन्हें कौन धमका रहा है? खरगे ने केवल इतना कहा है कि तमिलनाडु की तरह सरकारी संपत्तियों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शिविर नहीं लगाए जाने चाहिए।

प्रियंक खरगे का पत्र मिलने के बाद सिद्दरामय्या ने कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश से यह देखने को कहा है कि द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक संपत्ति पर आरएसएस की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिए क्या किया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सरकारी संपत्ति पर आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाएंगे तो सिद्दरामय्या ने कहा, पहले मुझे रिपोर्ट देखने दीजिए। मुझे देखना है कि तमिलनाडु सरकार ने क्या किया है। सिद्दरामय्या ने कहा, हम प्रियंक खरगे की सुरक्षा बढ़ाएंगे। जब उनसे कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस को आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की चुनौती दे रही है तो सिद्दरामय्या ने कहा, उन्होंने (भाजपा ने) विधानसभा चुनावों के दौरान भी चुनौती दी थी। लेकिन क्या हुआ? क्या वे हारे नहीं?

'जाति जनगणना' नाम से जारी सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, बेंगलूरु शहर को छोड़कर हर जगह सर्वेक्षण ज़ोर-शोर से हो रहा है। हर जगह सर्वेक्षण 90 प्रतिशत को पार कर गया है। श्रीनिवासपुरा से जनता दल(एस) विधायक जी. के. वेंकटशिव रेड्डी द्वारा विपक्षी दलों के विधायकों को कोष जारी करने में भेदभाव के आरोपों पर सिद्दरामय्या ने कहा, ''जब जद(एस) सत्ता में थी तो उसने हमारे विधायकों के साथ भेदभाव किया था।'' हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार जद (एस) द्वारा किए गए कार्यों को नहीं दोहरा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम राज्य के सर्वांगीण विकास में विश्वास रखते हैं और हम सभी विधायकों को समान रूप से कोष देंगे।

बेहोशी की दवा देकर पत्नी की हत्या करने के आरोप में चिकित्सक के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु। यहां एक चिकित्सक पर अपनी पत्नी की हत्या का मामला दर्ज किया गया है। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट में महिला की मौत के छह महीने बाद उसके अंगों में बेहोशी की दवा की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। पुलिस ने बताया कि व्यवसायी के. मुनि रेड्डी (60) ने अपने दामाद डॉ महेंद्र रेड्डी जीएस (31) के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी थी जिसके बाद मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार आरोप लगाया गया है कि चिकित्सक ने अपनी पत्नी डॉ कृतिका एम रेड्डी (28) की हत्या कर दी। कृतिका मुनि रेड्डी की छोटी बेटी थी।

मुनि रेड्डी ने अपनी शिकायत में कहा कि उनकी बेटी एमबीबीएस और एमडी चिकित्सक थी और उसकी शादी 26 मई 2024 को बेंगलूरु में महेंद्र रेड्डी से हुई थी। महेंद्र रेड्डी भी एक चिकित्सक है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद, महेंद्र कृतिका को परेशान करने लगा। आरोप है कि महेंद्र ने कृतिका के परिवार पर एक बड़े अस्पताल के निर्माण के लिए पैसे देने का दबाव डाला। मुनि रेड्डी ने आरोप लगाया कि 21 अप्रैल 2025 को महेंद्र ने कृतिका को घर पर यह कहते हुए नर्सों के माध्यम से बेहोशी की दवा दी कि यह पेट की तकलीफ के लिए है।

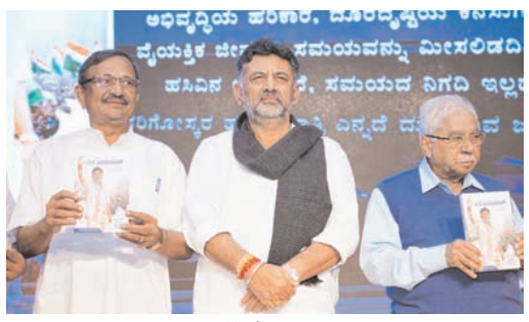

विमोचन

बुधवार को बेंगलूरु में आयोजित केएम रघु द्वारा डीके शिवकुमार के बारे में लिखी गई पुस्तक 'डीके शिवकुमार' के लॉन्च समारोह में भाग लेते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस मौके पर ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता लेखक डॉ. चन्द्रशेखर कंबारा, हंदनाकेरे मठाधीश श्री वेदमूर्ति रुद्राराद्य, लेखक करिगौड़ा बेचनहल्ली, डॉ. नल्लुरु प्रसाद, एलएन मुकुंदराज, लेखिका डॉ. के शरीफा, भक्तहल्ली कामराज, वेंकटशिवरेड्डी, लेखक केएम रघु निदेशक, वी. योगेश और अन्य उपस्थित थे।

हम्पी के स्मारकों को उनके गौरवशाली रूप में पुनर्स्थापित करने की जरूरत : निर्मला सीतारमण

होस्पेट। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को पूर्ववर्ती विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हम्पी में स्मारकों के जीर्णोद्धार की आवश्यकता पर जोर दिया। विजयनगर जिले के हम्पी में भगवान विरुपाक्ष के दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सीतारमण ने विजयनगर साम्राज्य के प्रख्यात शासक कृष्णदेव राय की सराहना की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''मुझे हम्पी के इतिहास पर गर्व है, लेकिन इस क्षेत्र में हुए विनाश के स्तर के बारे में जानकर मुझे उतना ही दुख भी होता है, अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम स्मारकों और मंदिरों को उनके गौरवशाली स्वरूप में पुनर्स्थापित करें। यह यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त स्थल है और मुझे लगता है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भी यहां काफी काम कर रहा है।''

वित्त मंत्री ने कहा कि यहां के स्मारक कृष्णदेव राय के गौरवशाली काल की कहानी कहते हैं। उन्होंने आगे कहा, कृष्णदेव राय एक अद्भुत राजा थे जो अपनी प्रजा को जानते थे।

जोधपुर प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज एवं जोधपुर के जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को जोधपुर जिला स्थित क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने जैसलमेर बस दुर्घटना में लापता अथवा पहचान के लिए प्रस्तुत किए गए मृतकों के डीएनए सैम्पलों के परीक्षण कार्य की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मंत्री दिलावर ने प्रयोगशाला के डीएनए अनुभाग का भ्रमण किया तथा उपस्थित वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों से परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया, सैम्पल रिसीविंग से लेकर प्रोफाइल जेनरेशन तक के प्रत्येक चरण की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सैम्पलों की प्राथमिक स्क्रीनिंग, आइसोलेशन, एम्प्लीफिकेशन तथा डाटा विश्लेषण की प्रणाली का जायज़ा लिया और परीक्षण प्रक्रिया को समयबद्ध एवं वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री दिलावर ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुःखद है और राज्य सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डीएनए परीक्षण रिपोर्टों को शीघ्रतम समय में पूर्ण कर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराया जाए, ताकि मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों को यथाशीघ्र आवश्यक सहयोग और राहत प्रदान की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि फोरेंसिक जांच की सटीकता और पारदर्शिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक सैम्पल की सुरक्षा, रिकॉर्ड-कीपिंग और टेस्टिंग लॉग्स को वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप संधारित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने प्रयोगशाला में उपलब्ध डीएनए एनालाइजर, थर्मल साइक्लर, सीक्वेंसर, बायोसेफ्टी कैबिनेट और डेटा इंटरप्रिटेशन सिस्टम्स की कार्यस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से परीक्षण क्षमता, लंबित सैम्पलों की संख्या तथा अन्य जिलों से प्राप्त रेफरेंस सैम्पलों की स्थिति पर भी जानकारी प्राप्त की। प्रभारी मंत्री दिलावर ने कहा कि ऐसी आपात परिस्थितियों में प्रयोगशाला का कार्य राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने वैज्ञानिकों को प्रेरित करते हुए कहा कि मानवीय संवेदनाओं के साथ तकनीकी दक्षता का संतुलन बनाए रखते हुए कार्य करें। निरीक्षण के दौरान युवा मामले एवं खेल विभाग राज्यमंत्री केके विश्नोई, जैसलमेर विधायक छोटू सिंह भाटी, प्रभारी सचिव जोधपुर दिनेश कुमार, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, एफएसएल निदेशक अजय शर्मा सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, डीएनए डिवीजन के विशेषज्ञ तथा जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

पटवारी 45 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के कोटा में बुधवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक पटवारी को 45 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कोटा जिले में पटवार हल्का कैथुदा के पटवारी प्रधान चौधरी को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है। एक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि उसके एवं उसके परिजनों के नाम दर्ज कृषि भूमि की पैमाइश करवाने के लिए उसने उप तहसील कार्यालय खातौली में एक अर्जी दी थी जिसे कई दिन तक लंबित रखकर पटवारी प्रधान चौधरी 50,000 रुपये रिश्वत मांग रहा है। अधिकारियों के अनुसार जांच में पता चला कि प्रधान चौधरी भूमि की पैमाइश करने के लिए 50,000 रुपये में 5,000 रुपये ले चुका है। टीम ने आज जाल बिछाया तथा आरोपी पटवारी को 45 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एक अन्य मामले में एसीबी टीम ने जयपुर में आयकर विभाग में एमटीएस के रूप में कार्यरत विष्णु पारीक को कथित रूप से 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

गहलोत ने महागठबंधन के घटक दलों में सीट का बंटवारा जल्द होने की उम्मीद जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को उम्मीद जताई कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी महागठबंधन के घटक दलों में सीट के बंटवारे को लेकर जल्द ही फैसला हो जाएगा। गहलोत ने इस बारे में पूछे जाने पर यहां मीडिया से कहा,मेरे ख्याल से आजकल में निर्णय हो जाएगा। चर्चा चल रही है और मैं समझता हूं कि जल्द ही फैसला हो जाएगा। दिल्ली की एक अदालत में कथित आईआरसीटीसी घोटाला मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद के खिलाफ आरोप तय किए जाने पर कटाक्ष करते हुए गहलोत ने कहा कि देश देख रहा है और समय आने पर माकूल जवाब देगा।

कांग्रेस नेता ने कहा,यही तो आश्चर्य है, चुनाव के पहले अदालत भी सक्रिय हो जाती है, चुनाव के पहले ही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सक्रियता दिखती है। इनको सोचना चाहिए कि चुनाव चल रहा है, लोकतंत्र है, लोकतंत्र में कहते हैं सब को समान अवसर मिलने चाहिए तभी तो ये 'आचार संहिता' लागू होती है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष ...सबको समान रूप से मैदान में उतरने का अवसर मिले, इसके लिए ही आचार संहिता लागू होती है।

उन्होंने कहा कि अगर एक महीना बाद सीबीआई अदालत में चालान पेश करती तो क्या फर्क पड़ता? या चुनाव से चार महीना पहले ही ऐसा कर देते। उन्होंने कहा कि चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है और बुला के आप चालान पेश कर रहे हो, इसे क्या कहेंगे? उन्होंने कहा,देश देख रहा है, (समय) आने पर माकूल जवाब देगा। सत्ता में बैठे इन सब लोगों को ... राजग सरकार को सबक सिखाएगा।

विकसित राजस्थान 2047 विजन डाक्यूमेंट

भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के विजन को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान 2047 विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है। राज्य सरकार ने प्रदेश के दूरदर्शी विकास की संकल्पना को समर्पित इस विजन डॉक्यूमेंट की कार्य योजना तैयार करने के साथ ही प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य की ओर बड़ा कदम बढ़ाया है। गरीब, युवा, महिला और किसानों के सशक्तीकरण को केन्द्र में रखते हुए यह दस्तावेज समावेशी विकास की भावना को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राज्य सरकार के इस विज़न डॉक्यूमेंट का उद्देश्य है कि वर्ष 2047 तक राजस्थान एक ऐसे अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित हो, जो समावेशी और सतत विकास, विश्वस्तरीय अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण, पारदर्शी शासन और नागरिक सशक्तीकरण के आधार पर नए भारत के निर्माण में भागीदारी निभाए। यह डॉक्यूमेंट राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रदेश के नागरिकों की आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार किया गया है।

इसके अन्तर्गत विस्तृत कार्य योजना के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन, शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक व आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में विकास के लिए लक्ष्य तय किये गए हैं। इनके अनुरूप प्रदेश में शत-प्रतिशत साक्षरता, कौशल आधारित शिक्षा, सुलभ एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, जलवायु अनुकूल-जल प्रबंधन, स्मार्ट शहरीकरण और किफायती आवास सुनिश्चित किए जाएंगें। साथ ही, महिलाओं और युवाओं को कौशल, उद्यमिता एवं नेतृत्व के अवसर प्रदान कर उनकी राज्य के विकास यात्रा में भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। यह विजन चार प्रमुख थीम और 13 सेक्टर्स पर आधारित है। पहली थीम जनकल्याण और सामाजिक सशक्तीकरण है, जिसमें कृषि-खाद्य प्रणाली, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समावेशन जैसे आयाम शामिल हैं। दूसरी थीम त्वरित विकास, समृद्धि और रोजगार सृजन पर केंद्रित है, जिसके अंतर्गत औद्योगिक, खनन और पर्यटन क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित की जा रही हैं। तीसरी थीम भविष्य उन्मुख राजस्थान की है, जिसमें आधारभूत अवसंरचना, जल सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थायित्व और जलवायु अनुकूलता को प्राथमिकता दी गई है।

राज्य सरकार ने वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस विजन डॉक्यूमेंट में वर्ष 2047 तक कृषि क्षेत्र में जलवायु अनुकूल और तकनीक आधारित खेती के माध्यम से उत्पादकता में 40 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है।

हर नागरिक को स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में लाने, मातृ मृत्यु दर को 15 तक लाने, शिशु मृत्यु दर को प्रति हजार जीवित जन्मों पर 10 से कम करने और जीवन प्रत्याशा को 77 वर्ष तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है। विजन डॉक्यूमेन्ट के अनुसार औद्योगिक विकास के माध्यम से राज्य में एक करोड़ से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

मदन दिलावर महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती घायलों से मिले, जानी कुशलक्षेम कहा- यह त्रासदी अत्यंत पीड़ादायक, सरकार हर घड़ी प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर बुधवार को जैसलमेर बस दुर्घातिका में घायल हुए यात्रियों से मिलने महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट पहुंचे । महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट में भर्ती घायलों की कुशलक्षेम पूछते हुए उन्होंने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। परिजनों से बातचीत के दौरान दिलावर ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह समय पूरे प्रदेश को एक सूत्र में बाँधने का है। राज्य सरकार इस दुःख की घड़ी में प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार का हर विभाग राहत और सहयोग के कार्यों में सक्रिय है तथा पीड़ितों को हरसंभव सहायता दी जा रही है। उन्होंने दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिवारों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। दिलावर ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सीय उपचार और आवश्यक संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों की स्थिति, जलन के प्रतिशत, उपचार पद्धति और उपलब्ध संसाधनों की विस्तृत जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, इंटेंसिव केयर बेड्स, दवाइयों और नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता की समीक्षा की और निर्देश दिया कि प्रत्येक मरीज के लिए अलग चिकित्सकीय निगरानी दल 24 घंटे मॉनिटरिंग सुनिश्चित करे। उन्होंने अस्पताल परिसर में डीएनए सैंपल के लिए आए परिजनों से भी संवाद किया और उनके ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। परिजनों ने प्रशासन द्वारा की गई त्वरित व्यवस्थाओं और संवेदनशील सहयोग के लिए आभार जताया। इस अवसर पर उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, विधायक जैसलमेर छोटी सिंह राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति मामले में एसोसिएट प्रोफेसर के ठिकानों की तलाशी ली

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक आय अर्जित करने के कथित मामले में इन्दिरा गांधी पंचायती राज विकास संस्थान, जयपुर में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत एक अधिशासी अभियंता से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की है। ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी अधिकारी रामावतार मीणा द्वारा राजकीय सेवा में नियुक्त होने से अब तक करीब 2.77 करोड़ रुपये की आय से अधिक परिसम्पतियां अर्जित करने का खुलासा हुआ जो कि आरोपी की वैध आय से करीब 115 प्रतिशत अधिक है।

गुप्त सूचनाओं और सत्यापन के आधार पर ब्यूरो ने पाया कि मीणा ने कथित तौर पर इंदिरा गांधी नगर जयपुर में लाखों रुपये मूल्य के छह बड़े भूखंड और मकान खरीदे।

जैसलमेर हादसे पर गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जताया गहरा दुःख, बोले- पूरे प्रदेश को झकझोर देने वाली घटना

उदयपुर । जैसलमेर-जोधपुर के बीच रविवार को बस में आग लगने की भीषण दुर्घटना पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। शेखावत ने कहा कि यह पूरे प्रदेश को झकझोर देने वाली घटना है। बुधवार को उदयपुर में मीडिया से बातचीत में शेखावत ने बताया कि हादसे में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में से 16 लोगों को जोधपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया था। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हादसे की जानकारी मिलते ही संवेदना व्यक्त की और प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। शेखावत ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मंगलवार को ही जोधपुर और जैसलमेर पहुंचे। उन्होंने घायलों से मुलाकात की और अस्पताल प्रशासन को सभी आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

दरवाजा जाम होने के कारण ज्यादा लोगों की जान गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर/जोधपुर। जैसलमेर बस हादसे में बस का दरवाजा जाम होने के कारण उसमें सवार ज्यादा लोगों की जान गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आग लगने के बाद इस एसी स्लीपर बस का दरवाजा जाम हो गया और यात्री बाहर नहीं निकल पाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बचाव और चिकित्सा सहायता की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की और इस घटना को अत्यंत दुखद बताया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को दोपहर में जोधपुर जा रही एक निजी बस में जैसलमेर से रवाना होने के बमुश्किल दस मिनट बाद आग लग गई। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई और 20 यात्री जिंदा जल गए और 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जैसलमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाश दान ने कहा कि आग लगने के कारण बस का गेट यानी दरवाजा बंद हो गया, जिससे यात्री बाहर नहीं निकल सके। उन्होंने पीटीआई भाषा को बताया, ज्यादातर शव बस के गैलरी में मिले, जिससे पता चलता है कि लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा जाम होने के कारण वे बाहर नहीं निकल पाए और असमय ही काल कवलित हो गए।

इस बस में आग सेना के युद्ध स्मारक के पास लगी। वहां मौजूदा सेना के जवान तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान में शामिल हो गए। स्थानीय लोग व राहगीर भी मदद के लिए आगे आए। पास से गुजर रहे एक टैंकर से भी बस की आग बुझाने का प्रयास किया गया। बस दरवाजा जोर लगाकर तोड़ना पड़ा। आग लगने के बाद कुछ यात्री बस की खिड़की तोड़कर बाहर कूदे और अपनी जान बचाई।

जैसलमेर के जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने बताया कि बस से 19 जले हुए शव बरामद किए गए और 16 गंभीर रूप से घायलों को जोधपुर के अस्पताल ले जाया गया।

इनमें से एक की बीच रास्ते में मौत हो गई। उन्होंने कहा, शवों को डीएनए सैंपलिंग और पहचान के लिए जोधपुर भेजा गया है। फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) द्वारा मिलान की पुष्टि के बाद उन्हें परिवारों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बस में कुल कितने लोग थे इसकी पुष्टि की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाश दान ने कहा, 20 लोगों की मौत हो गई है और 15 का इलाज चल रहा है। अभी तक किसी के लापता होने की सूचना नहीं मिली है। हम लोगों की संख्या की पुष्टि कर रहे हैं। बस के रवाना होने के स्थान से लेकर रास्ते से सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर लिए गए हैं और उनकी जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि एफएसएल की टीमें कल रात से ही घटनास्थल का निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने कहा, शुरुआती संकेत बस में शॉर्ट सर्किट की ओर इशारा कर रहे हैं, हालांकि बस में पटाखे होने जैसी अन्य आशंकाओं की भी जांच की जा रही है। जैसे ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मंगलवार शाम इस घटना की जानकारी मिली, उन्होंने जयपुर में अपनी निर्धारित बैठक बीच में ही समाप्त कर दी और मौके पर मौजूद अधिकारियों के साथ संपर्क करना शुरू कर दिया।

अधिकारियों के अनुसार, बैठक में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, गौतम दक और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री शर्मा ने सभी को सूचित किया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, वे जैसलमेर जा रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा, मुख्यमंत्री ने घायलों को जैसलमेर से जोधपुर तक उन्नत उपचार के लिए सुचारू रूप से पहुंचाने के लिए अधिकारियों को एक ग्रीन कॉरिडोर बनाने का निर्देश दिया। वह रात में जैसलमेर पहुंचे और घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने बचाव एवं राहत कार्यों में भारतीय सेना और स्थानीय नागरिकों के प्रयासों की सराहना की।

इसके बाद मुख्यमंत्री जोधपुर गए और पीड़ितों के परिवारों से मिले। उन्होंने डॉक्टरों को घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए और 'बर्न यूनिट' में चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की। जोधपुर में इस हादसे में घायल हुए लोगों की चौबीसों घंटे देखभाल सुनिश्चित करने के लिए समर्पित चिकित्सा निगरानी दल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी निर्देश दिया कि घायलों के परिवारों को अस्पताल परिसर में उचित आवास, भोजन और सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने जैसलमेर और जोधपुर में स्थानीय विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों से बात की और उनसे राहत कार्यों में मदद करने की अपील की। उन्होंने कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर को भी स्थिति की निगरानी के लिए जोधपुर में रहने का निर्देश दिया। बचाव अधिकारियों ने कहा हादसे का शिकार हुई बस देखते ही देखते आग का गोला बन गई और उसमें सवार लोगों को बचाव के लिए कुछ करने का ज्यादा समय नहीं मिला। हादसे का शिकार बस नई थी। उसका हाल ही में पंजीयन हुआ था और वह अपनी चौथी यात्रा पर निकली थी।

यह दोपहर बाद लगभग तीन बजे जैसलमेर से रवाना हुई थी और रास्ते में और यात्रियों को लेने वाली थी। एक पुलिसकर्मी ने प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से कहा कि बस के पिछले हिस्से से तेज धमाका सुना गया जो संभवतः एसी कंप्रेसर से हुआ था। डीजल, एसी गैस और फ़ाइबर-आधारित अंदरूनी हिस्सों के कारण लगी आग और भड़क गई। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा, बस में सिर्फ एक दरवाजा था, जो जाम हो गया था। ज्यादातर यात्री बाहर नहीं निकल पाए। सेना ने जितने संभव थे, शव निकाले। कुछ शव इतने जल गए थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल है।

मोदी ने बिहार के लिए दिया 'एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार' का नारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं से केंद्र और राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर घर जाने को कहा और एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार – इससे बनेगी सुशासन की सरकार का नारा दिया।

चुनावी राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ 'नमो ऐप' के माध्यम से संवाद करते हुए, प्रधानमंत्री ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए हर मतदान केंद्र (बूथ) पर ध्यान देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने बूथ कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को उन्हें उपलब्ध सरकारी लाभों के बारे में बताने के लिए प्रोत्साहित किया। मोदी ने कार्यकर्ताओं का भोजपुरी में अभिवादन करने के बाद कहा, जब हर बूथ मजबूत होता है, तभी पार्टी जीतती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं के बारे में मतदाताओं को उनकी ओर से गारंटी देने को कहा। उन्होंने कहा, बिहार के बूथ कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्रों के परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के वीडियो भी दिखाने और साझा करने चाहिए। मोदी ने एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार – इससे बनेगी सुशासन की सरकार का नारा दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 14 नवंबर को राजग (एनडीए) की जीत के बाद एक और दिवाली सुनिश्चित करने में बिहार की माताएं और बहनें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

दंगाइयों के आगे नतमस्तक होते थे सपा के नेता, भाजपा ने त्योहारों पर अमन कायम किया : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) की पिछली सरकार पर आरोप लगाया कि उसके नेता, मंत्री और मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी 'दंगाइयों और अपराधियों के आगे नतमस्तक' होते थे तथा उनके शासन में त्योहार 'दंगों और अराजकता की बलि' चढ़ जाते थे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस सब्सिडी वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले साढ़े आठ वर्षों से शांति बहाल की है और दीपावली से लेकर ईद एवं क्रिसमस, रामनवमी तक सभी त्योहार अब शांतिपूर्वक मनाये जा रहे हैं। उन्होंने मुलायम सिंह यादव परिवार की तरफ इशारा करते हुए कहा, 2017 से पहले सरकार एक परिवार से आगे कुछ सोच ही नहीं पाती थी। त्योहारों के दौरान दंगे भड़क जाते थे। गुंडे खुलेआम घूमते थे और गरीब कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रहते थे। समाजवादी पार्टी के मंत्री और नेता, यहां तक कि मुख्यमंत्री भी माफियाओं और दंगाइयों के आगे नतमस्तक हो जाते थे।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन सरकार' ने पूरे राज्य को एक परिवार मानकर उस संस्कृति को बदल दिया है। उन्होंने कहा,''हमने परिवारवाद को खत्म किया है और एक ऐसा शासन मॉडल लाया है जहां लाभ देने से पहले किसी की जाति, मत या धर्म नहीं पूछा जाता। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 2021 में निर्णय लिया था कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को साल में दो बार यानी होली और दीपावली के दौरान मुफ्त रसोई गैस सिलिंडर दिए जाएंगे।

कानून-व्यवस्था का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, अगर कोई त्योहारों के दौरान शांति भंग करने या उपद्रव मचाने की हिम्मत करता है तो उसे जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा। हम कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे – चाहे वह कोई भी हो। उन्होंने कहा,''भाजपा शासन में जो लोग महिलाओं को धमकाते हैं या शांति भंग करते हैं, उन्हें तुरंत परिणाम भुगतने होंगे। यमराज स्वयं अगले चौराहे पर उनका इंतज़ार कर रहे होंगे। योगी आदित्यनाथ ने समाज के सभी वर्गों की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

राजग बिहार में बड़े बहुमत से सत्ता में लौटेगा: रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में बड़े बहुमत से सत्ता में वापसी करेगा।

गुप्ता बुधवार को यहां भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने के कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचीं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि बिहार के लोग देख रहे हैं कि राजग सरकार के कार्यकाल में राज्य में विकास की रफ्तार तेज हुई है और जनता इस बार भी सत्तारूढ़ गठबंधन को ही वोट देगी। उन्होंने कहा, मैं देख रही हूं कि बिहार में विकास की बहार आई हुई है और समृद्धि हर ओर झलक रही है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग एक बार फिर भारी बहुमत से सरकार बनाएगा। मैं बिहार की इस पवित्र धरती को नमन करती हूं। बुधवार को भाजपा के कई उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने की उम्मीद है। राजग की प्रमुख घटक भाजपा ने विस चुनाव के लिए 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। पार्टी ने सात बार विधायक रहे विस अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काट दिया, जबकि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक दशक से अधिक समय बाद सीधे चुनावी मैदान में उतारा है। स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडे को भी पार्टी ने विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार बनाया है।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य में रेलवे पटरियों का दोहरीकरण करने सहित आठ मांगों की एक सूची सौंपी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान के मुताबिक, सूची में ब्रू समुदाय को एनएफएसए (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम योजना) के दायरे में लाना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं के आवंटन में वृद्धि, बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) की अधिकतम सीमा में वृद्धि, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की संख्या में वृद्धि और उनाकोटि विरासत स्थल का सतत विकास शामिल है। साहा ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा, आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलकर प्रसन्नता हुई। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में 'विकसित त्रिपुरा, विकसित भारत' के लक्ष्य को पूरा करने के लिए, त्रिपुरा में हमारी सरकार कई परिवर्तनकारी पहल कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने उन्हें (प्रधानमंत्री को) मौजूदा विकास कार्यों से अवगत कराया और राज्य में रेलवे पटरियों का दोहरीकरण और वंदे भारत ट्रेन शुरू करने सहित प्रमुख मुद्दों पर उनका सहयोग मांगा। पोस्ट में, मुख्यमंत्री साहा ने कहा कि उन्होंने बुधवार को नई दिल्ली स्थित रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन में माननीय केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव जी से मुलाकात की। हमने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित त्रिपुरा, विकसित भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करने की दिशा में कई प्रमुख पहल पर चर्चा की।

कारोबारी प्रशांत किशोर को आभास हो गया है कि स्थिति उनके पक्ष में नहीं है : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार चुनाव लड़ने से पीछे हटने का फैसला किया है क्योंकि उनके अंदर छिपे एक व्यापारी और पूर्व चुनाव प्रचारक को आभास हो गया है कि वास्तविक स्थिति उनके पक्ष में नहीं है और अगर वह हार गए तो भविष्य में उनके कारोबारी उद्यम की सेवा कोई नहीं लेगा। किशोर ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में घोषणा की कि वह विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा था कि यह फैसला पार्टी के व्यापक हित में लिया गया है। पूर्व चुनाव रणनीतिकार किशोर ने यह भी कहा कि जन सुराज का 150 से कम सीट जीतना हार माना जाएगा।

किशोर के फैसले पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, प्रशांत किशोर एक बहुत ही चतुर व्यवसायी हैं और उन्हें चुनाव अभियान चलाने का भी काफी अनुभव है। उन्होंने कहा, शायद, उनके अंदर के व्यवसायी और पूर्व चुनाव प्रचारक को यह अहसास हो गया है कि जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थिति उनके या उनकी पार्टी के लिए अनुकूल नहीं है और यदि वह यह चुनाव हार गए तो भविष्य में उनके व्यवसाय को कोई नहीं पूछेगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) एक बार फिर मजबूत जनादेश के साथ सरकार बना रहा है, शायद इस वास्तविकता को देखते हुए कि किशोर ने पीछे हटने का फैसला किया है।

पिछले 11 वर्षों में भारत के समुद्री क्षेत्र में परिवर्तनकारी वृद्धि हुई : सोनोवाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने भारत के समुद्री क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में परिवर्तनकारी वृद्धि का उल्लेख करते हुए बुधवार को कहा कि अगले 22 वर्षों में घरेलू समुद्री उद्योग में 80 लाख करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद है।

बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सोनोवाल ने न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी के स्वर्ण जयंती समारोह के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह सभी भारतीयों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि वर्ष 1975 में परिचालन शुरू करने वाला न्यू मैंगलोर पोर्ट अपने 50 वर्ष पूरे करने जा रहा है। सोनोवाल ने कहा, भारत के समुद्री क्षेत्र में परिवर्तनकारी वृद्धि देखने को मिली है। 'समुद्री अमृत काल विजन 2047' भारत के समुद्री क्षेत्र में बदलाव के लिए एक दीर्घकालिक खाका तैयार करता है। सरकार को इस दौरान घरेलू समुद्री उद्योग में 80 लाख करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि न्यू मंगलोर पोर्ट एलपीजी भंडारण करने वाला देश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है और क्रूज पर्यटन के क्षेत्र में भी इसका भविष्य उज्ज्वल है। वर्ष 2002 से ही इस बंदरगाह पर क्रूज जहाज नियमित रूप से आ रहे हैं। सोनोवाल ने कहा कि सभी दस्तावेजी प्रक्रियाओं को डिजिटल प्रणाली में बदल दिया गया है और यह बंदरगाह अब पूरी तरह से डिजिटल हो चुका है।

आलोचना से मदद नहीं मिलेगी, संकट में लोगों के साथ खड़े रहना जरूरी : मुख्यमंत्री ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उत्तर बंगाल में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए राज्य के राहत और पुनर्वास प्रयासों की सिर्फ आलोचना करने के बजाय सभी को संकटग्रस्त लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए।

बनर्जी ने पड़ोसी देश भूटान से भारी बारिश के बाद छोड़े जाने वाले पानी की निगरानी करने का आग्रह किया ताकि बंगाल के निचले इलाकों में बाढ़ को रोका जा सके, और कहा कि केंद्र को इस मामले को भूटान के समक्ष उठाना चाहिए। दार्जिलिंग हिल्स में एक प्रशासनिक बैठक को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार युद्धस्तर पर पुनर्निर्माण कार्य कर रही है, क्योंकि मिरिक, कालिम्पोंग के कुछ हिस्सों, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और अन्य इलाकों में कई मकान, स्वास्थ्य केंद्र और प्रशासनिक भवन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ममता ने कहा, केवल (राज्य के राहत और बचाव उपायों की) आलोचना करने से लोगों की परेशानियों को कम करने में मदद नहीं मिलेगी। हमें प्रभावित लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए और मदद करनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

कानपुर में मालगाड़ी पटरी से उतरी, तीन दर्जन ट्रेन प्रभावित

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर जिले के पनकी यार्ड के पास मंगलवार की रात एक मालगाड़ी के दो पहिये पटरी से उतर जाने के कारण दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर ट्रेन परिचालन कुछ घंटों के लिए ठप रहा।

रेलवे के प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के कारण दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर यातायात लगभग दो घंटे तक बाधित रहा। इस दौरान राजधानी, गरीब रथ, श्रम शक्ति एक्सप्रेस, पुष्पक और महाबोधि एक्सप्रेस सहित तीन दर्जन से अधिक ट्रेन विलंब से चलीं। उन्होंने बताया कि जांच के लिए एक समिति गठित की गई है और जांच के बाद ही घटना के असल कारण का पता लगेगा। सिंह ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब माल उतारकर लौट रही मालगाड़ी को उत्तर से दक्षिण लाइन पर भेजा जा रहा था। उन्होंने बताया कि पटरी के क्रॉसओवर (कैंची) बिंदु से गुजरते वक्त उसके दो पहिये पटरी से उतर गए और इंजन अचानक रुक गया तथा एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने बताया कि इस घटना की सूचना मिलने पर बचाव एवं तकनीकी दल घटनास्थल पर पहुंचे।

फिल्मफेयर अवार्ड जीतने के बाद गोरखपुर पहुंचे भाजपा सांसद रवि किशन, हुआ भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। फिल्मफेयर पुरस्कार जीतकर गोरखपुर लौटे फिल्म कलाकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के क्षेत्रीय सांसद रवि किशन बुधवार को गोरखनाथ मंदिर गए और कृतज्ञतास्वरूप पुरस्कार की ट्रॉफी गुरु गोरखनाथ के चरणों में अर्पित कर दी।

फिल्म 'लापता लेडीज' के लिए 'फिल्मफेयर अवार्ड' जीतने के बाद पहली बार गोरखपुर पहुंचे रवि किशन का भव्य स्वागत किया गया। वह ट्रॉफी लेकर सीधे गोरखनाथ मंदिर गए। वहां उन्होंने गुरु गोरखनाथ के चरणों में माथा टेका और कृतज्ञता स्वरूप ट्रॉफी उनके चरणों में रख दी। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा, मैंने अपने अंदर के कलाकार को कभी मरने नहीं दिया। एक छोटे से मिट्टी के घर में पले-बढ़े होने के कारण मुझे संदेह था कि क्या मैं कभी इतना बड़ा पुरस्कार जीत पाऊंगा, लेकिन कड़ी मेहनत रंग लाती है। लापता लेडीज फिल्म का ऑस्कर तक पहुंचना इसका प्रमाण है। अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए, अभिनेता से सांसद बने रवि किशन ने कहा, मैं यह पुरस्कार अपनी पत्नी, अपने बच्चों, अपनी निर्देशक किरण राव, निर्माता आमिर खान, टाइम्स ऑफ इंडिया और फिल्म फेयर को समर्पित करता हूं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से बधाई देने के लिए फोन किया था। रवि किशन को फिल्म 'लापता लेडीज' में बेहतरीन अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार दिया गया था। पुरस्कार समारोह को याद करते हुए रवि किशन ने कहा, जब मैंने मंच पर शाहरुख खान, जया बच्चन, (अमिताभ) बच्चन परिवार और पूरे फिल्मोद्योग के सामने हर हर महादेव का नारा लगाया तो पूरा स्टेडियम गूंज उठा।

भाजपा सरकार में संविधान और कानून का राज खतरे में है: अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। फर्रुखाबाद पुलिस पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कड़े रुख का ज़िक्र करते हुए, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार में संविधान और कानून का राज खतरे में है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक याचिकाकर्ता के वकील को गिरफ्तार करने और जिले की पुलिस अधीक्षक को वकील पेश होने तक अदालत से बाहर न जाने का आदेश दिया था। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भाजपा के शासन में संविधान ही नहीं विधान भी खतरे में है। उन्होंने लिखा, बंदी प्रत्यक्षीकरण कानून' या किसी अन्य क़ानून का उल्लंघन जब अधिकारी करेंगे तो अधिकारियों और उन अपराधियों में क्या अंतर रह जाएगा जो क़ानून तोड़ते हैं। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया, शासन-प्रशासन विधि पर आधारित होना चाहिए, किसी की मनमानी पर नहीं। भाजपा ने प्रशासन का चुनावी दुरुपयोग एवं भ्रष्टाचारीकरण करके, प्रशासन को निरंकुश बना दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान फर्रुखाबाद में प्रशासनिक ज्यादतियों को याद करते हुए यादव ने कहा, फ़र्रुख़ाबाद में प्रशासन की नाइंसाफी का इतिहास चर्चित रहा है।

नामांकन दाखिल करने के बाद तेजस्वी ने कहा: हम सिर्फ सरकार नहीं, बिहार बनाना चाहते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाजीपुर/पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार कहा कि ''हम सिर्फ सरकार नहीं, बिहार बनाना चाहते हैं। उन्होंने राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने संवाददाताओं से कहा, राघोपुर की जनता ने हम पर लगातार दो बार भरोसा किया है। जनता मालिक है। यह तीसरी बार है जब हमने राघोपुर से अपना नामांकन दाखिल किया है। हमें विश्वास है कि राघोपुर की जनता एक बार फिर हम पर भरोसा करेगी। उन्होंने कहा, हम सिर्फ सरकार नहीं बनाना चाहते, हम बिहार बनाना चाहते हैं। अब बिहार भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त राज्य बनना चाहता है। राजद नेता ने कहा कि कुछ लोग अफवाह फैला रहे थे कि वे दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। तेजस्वी 243 सीटों से चुनाव लड़ रहा है, लेकिन जब एक सीट की बात आती है तो हम राघोपुर से ही चुनाव लड़ते रहे हैं और इस बार भी राघोपुर से ही मैदान में हैं। नामांकन दाखिल करने से पहले तेजस्वी यादव ने कहा कि राघोपुर उनका परिवार है और वह जनता के भरोसे पर फिर एक बार काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार की जनता बदलाव का मन बना चुकी है। राघोपुर सीट तेजस्वी यादव के परिवार के लिए परंपरागत मानी जाती है। इस सीट से पूर्व में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी दोनों विधायक रह चुके हैं।

कोलकाता में इंजीनियरिंग की छात्रा से बलात्कार, सहपाठी गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ उसके सहपाठी ने कथित तौर पर बलात्कार किया और आरोपी को शहर के दक्षिणी हिस्से के आनंदपुर इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि प. बंगाल में पढ़ाई करने आई युवती ने सहपाठी के खिलाफ आनंदपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने आरोप लगाया है कि नशीला पदार्थ मिला पेय पदार्थ पीने के बाद वह बेहोश हो गई और बाद में आरोपी ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने इंजीनियरिंग छात्रा के गृह राज्य का खुलासा नहीं किया। अधिकारी ने कहा, छात्रा ने शिकायत में आरोप लगाया है कि वह आनंदपुर में किराए के फ्लैट में रह रही थी, जहां आरोपी आया और पेय में नशीला पदार्थ मिला दिया। पीने के बाद वह बेहोश हो गई और बाद में उसके सहपाठी ने उसके साथ बलात्कार किया।

कुलदीप यादव करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं टेस्ट रैंकिंग पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नई दिल्ली में दूसरे मैच में आठ विकेट हासिल करने के शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग हासिल की।

कुलदीप ने बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई जबकि वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और कमार रोस्टन चेज क्रमश: दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए।

बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर पांचवें, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रन की पारियों से दो स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों में शाई होप (34 स्थान ऊपर 66वें स्थान पर) और जॉन कैम्पबेल (छह स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को फायदा हुआ है। इन दोनों ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में शतक बनाए थे।

इस बीच अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की शृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर लौट आए हैं।

राशिद ने शृंखला में 11 विकेट लिए, जिससे वह पांच स्थान ऊपर पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अब 710 रेटिंग अंक हो गए हैं जो दूसरे स्थान पर काबिज दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज से 30 अंक अधिक हैं।

राशिद सितंबर 2018 में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बने थे और आखिरी बार नवंबर 2024 में इस स्थान पर काबिज हुए थे।

सहानुभूति व सहयोग सफलता के प्रमुख स्तंभ बने रहेंगे : इसरो प्रमुख ने बीआईटी के छात्रों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बुधवार को छात्रों से आग्रह किया कि वे याद रखें कि सहानुभूति, सहयोग और उद्देश्य सफलता के प्रमुख स्तंभ हैं।

बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए नारायणन ने कहा कि जो व्यक्ति कल्पना व रचनात्मकता का उपयोग करता है, वह उस व्यक्ति पर हावी हो जाता है जिसके पास अधिक संसाधन होते हैं। जब आप पेशेवर यात्रा शुरू करते हैं, तो यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि सहानुभूति, सहयोग और उद्देश्य सफलता के प्रमुख स्तंभ हैं। इसरो प्रमुख ने कहा, अपने कार्यों में उन मूल्यों और ज्ञान को प्रतिध्वनित करें जो आपने इस प्रतिष्ठित संस्थान में जीवन को बदलने और विश्व की विकट चुनौतियों का समाधान करने के लिए अर्जित किए हैं। बधाई हो, और अनंत अवसरों से भरा एक उज्ज्वल भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। नारायणन ने छात्रों से आग्रह किया कि वे बड़े सपने देखें, लक्ष्य बनाएं, ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करें और उसके लिए काम करें। उन्होंने कहा, बौद्धिक शिक्षा मन को प्रभावित करती है, जबकि मूल्य आधारित शिक्षा हृदय को प्रभावित करती है। बौद्धिक शिक्षा के साथ उच्च शैक्षणिक रिकॉर्ड वाला व्यक्ति अगर मूल्य आधारित शिक्षा में दिवालिया हो तो समाज के किसी काम का नहीं है। बीआईटी मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह में 1,000 स्नातक छात्रों, 320 स्नातकोत्तर छात्रों, 75 पीएचडी छात्रों और 65 डिप्लोमा धारकों को उपाधियां प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को निरंतर शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। बीआईटी मेसरा के चांसलर सीके बिड़ला ने कहा, दीक्षांत समारोह न केवल एक शैक्षणिक यात्रा का समापन है, बल्कि जिज्ञासा और नवाचार की आजीवन खोज की शुरुआत भी है। आज दुनिया ऐसे नेताओं की मांग कर रही है जो स्पष्टता से सोच सकें, ईमानदारी से काम कर सकें और उद्देश्यपूर्ण निर्माण कर सकें।

सुविचार

चिकित्सा का उद्देश्य बीमारी को रोकना और जीवन को लम्बा करना है; चिकित्सक की आवश्यकता को समाप्त करना ही औषधि का आदर्श है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नक्सलवाद का खिसकता आधार

नक्सलवाद का खिसकता आधार केंद्र सरकार और सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता को दर्शाता है। हाल के वर्षों में कई नक्सलियों का खात्मा हुआ है। वहीं, हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने वाले नक्सलियों की संख्या भी बढ़ी है। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भाकपा (माओवादी) के 88 सदस्यों के आत्मसमर्पण से पता चलता है कि एक ओर जहां नक्सलविरोधी अभियान अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं, वहीं गुमराह होकर ऐसे संगठनों में शामिल होने वाले लोगों को भी हकीकत मालूम हो रही है। कथित क्रांति और इन्साफ के नाम पर नागरिकों को उलटी पट्टी पढ़ाने का यह खेल अब ज्यादा दिनों तक चलने वाला नहीं है। जो लोग बहकावे में आकर अपने ही देश के खिलाफ बंदूक उठा लेते हैं, वे या तो सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे जाते हैं या जंगलों में मारे-मारे फिरते हैं। इससे समाज का कौनसा भला हो जाएगा? क्या तोड़फोड़, आगजनी, हिंसा, उपद्रव करने से नागरिकों का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा? हाल में कुछ नक्सलियों ने झारखंड के प. सिंहभूम जिले में एक दूरसंचार कंपनी के मोबाइल टावर को आग लगा दी थी। देर रात नक्सलियों का एक समूह आया, जिसने पहले तो कंपनी के कर्मचारियों को वहां से भगाया, उसके बाद टावर को आग के हवाले कर दिया। इससे किसका नुकसान हुआ? कंपनी की सेवाएं लेने वालों में ज्यादातर आम आदमी थे। नेटवर्क न मिलने से उनके कामकाज बाधित हुए। ये नक्सली स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंचाकर किस इन्साफ की बात करते हैं? अगर लोगों के जीवन एवं अधिकारों की इतनी ही परवाह है तो ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जिससे वहां अच्छे स्कूल और अस्पताल खुलें। लोगों के पास रोजगार हो। उनका जीवन आसान हो। तेल छिड़ककर आग लगाने और लोगों का जीवन मुश्किल बनाने में कौनसी महानता है?

जो नक्सली अपने जीवन के कई साल इन संगठनों में बर्बाद कर चुके हैं, उनसे बेहतर इनकी हकीकत और कौन जानता होगा! वे धीरे-धीरे समझ रहे हैं कि इसका नतीजा सिर्फ तबाही है, इसलिए अब तौबा करते जा रहे हैं। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने पांच दर्जन से ज्यादा नक्सलियों का आत्मसमर्पण इसकी एक मिसाल है। इनमें एक ऐसा व्यक्ति भी था, जो युवावस्था में इस विचारधारा से प्रभावित होकर नक्सली बन गया था। वह 50 साल से ज्यादा अवधि तक नक्सली गतिविधियों में सक्रिय रहा। अब 69 साल की उम्र में उसका इन सबसे मोहभंग हो गया। जो व्यक्ति किसी हिंसक विचारधारा का खोखलापन महसूस कर लेता है, उसके मन में कहीं-न-कहीं उससे दूर जाने का विचार जरूर पैदा होता है। जो लोग मुख्यधारा में आना चाहते हैं, उनका स्वागत किया जाना चाहिए। कहते भी हैं कि सुबह का भूला शाम को घर आ जाए तो उसे भूला नहीं कहते। हां, उसके बाद यह दृढ़ संकल्प लेना जरूरी है कि दोबारा कोई भूल न हो, किसी के बहकावे में न आएं। इन लोगों को स्वरोजगार का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय लोगों को नसीहत दी जाए कि इनके साथ अच्छा बर्ताव करें और आगे बढ़ने में सहयोग करें। प्राय: हर जगह कुछ लोग ऐसे मिल जाते हैं, जो दूसरों के निजी जीवन के बारे में जानकारी हासिल करने में ज्यादा दिलचस्पी रखते हैं। वे 'तिल का ताड़' बनाते देर नहीं लगाते। वे अपनी टीका-टिप्पणियों से किसी को आहत न करें। इसके अलावा इनकी सुरक्षा की ओर ध्यान देना चाहिए। नक्सली संगठन उन लोगों से बहुत घृणा करते हैं, जो छोड़कर चले जाते हैं। इनमें भर्ती होना (तुलनात्मक रूप से) आसान है, लेकिन इनसे पीछा छुड़ाकर जाना आसान नहीं है। स्थानीय पुलिस को भी इन लोगों की हर संभव मदद के लिए तैयार रहना चाहिए। सर्वसमाज के योगदान से ही नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

गोवा सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री रवि नाइक के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने परमधाम में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

ग्रामीण महिलाएं हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। वे केवल परिवार की नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति की वास्तविक प्रेरक शक्ति हैं। एक सशक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर ग्रामीण मातृशक्ति ही सभ्य समाज और समृद्ध भारत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

-वसुंधरा राजे

महान वैज्ञानिक, मिसाइल मैन, 'भारत रत्न' डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन करता हूँ। भारतीय अंतरिक्ष एवं रक्षा अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करने वाले डॉ. कलाम का जीवन सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण रहा।

-जेपी नड्डा

प्रेरक प्रसंग

अंतहीन भक्ति

एक बार श्रीकृष्ण अर्जुन को साथ लेकर घूम रहे थे। मार्ग में उन्हें एक निर्धन ब्राह्मण मिला जो सूखी घास खा रहा था, पर उसकी कमर में तलवार लटक रही थी। अर्जुन ने कारण पूछा तो ब्राह्मण ने कहा कि वह अपने कुछ 'शत्रुओं' को दंड देना चाहता है। जब अर्जुन ने पूछा कि वे कौन हैं, तो ब्राह्मण ने कहा पहला नारद, जो निरंतर भजन करके प्रभु को विश्राम नहीं लेने देते; दूसरी द्रौपदी, जिसने भगवान को भोजन बीच में छोड़कर बुला लिया; उन्हें पांडवों को दुर्वासा ऋषि के शाप से बचाने जाना पड़ा। तीसरी शबरी, जिसने उन्हें जूठे फल खिलाए; चौथा प्रह्लाद, जिसने उन्हें कष्ट सहने पर विवश किया और पांचवां स्वयं अर्जुन, जिसने भगवान को अपना सारथी बना दिया। कितना कष्ट हुआ होगा मेरे प्रभु को। यह कहते ही ब्राह्मण की आंखों में आंसू आ गए। यह देख अर्जुन का घमंड चूर-चूर हो गया। उसने श्रीकृष्ण से क्षमा मांगते हुए कहा मान गया प्रभु, इस संसार में न जाने आपके कितने तरह के भक्त हैं। मैं तो कुछ भी नहीं हूं।

सामयिक

गाजा में एक नई सुबह : युद्ध से शांति की ओर कदम

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

गाजा, जो दशकों से संघर्ष और विनाश की मार झेलता आ रहा है, आज एक बार फिर उम्मीद की दहलीज़ पर खड़ा है। युद्ध विराम लागू होने के बाद वहां के लोगों के चेहरों पर पहली बार भय के बजाय राहत की झलक दिखी है। यह छोटा-सा भूभाग, जो लंबे समय से बारूद की गंध और मलबे के बीच सांस ले रहा था, अब धीरे-धीरे जीवन के रंगों की ओर लौटने की कोशिश कर रहा है। यह वापसी केवल शांति की नहीं, बल्कि उस मानवीय अस्तित्व की है जो हिंसा की आग में झुलस गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से हुए 20-सूत्रीय शांति प्रस्ताव ने एक नया इतिहास रचा। हमास और इजराइल के बीच वर्षों के रक्तरंजित संघर्ष के बाद आखिरकार एक अस्थायी संघर्षविराम पर सहमति बनी। इस समझौते के तहत हमास ने सभी जीवित इजरायली बंधकों को अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस की मदद से रिहा किया, जबकि इजरायल ने लगभग दो हजार फिलिस्तीनी कैदियों को आज़ादी दी। इसी के साथ बमबारी रुक गई, और राहत सामग्री से भरे ट्रक गाजा में प्रवेश करने लगे। वह क्षण लोगों के लिए किसी पुनर्जन्म जैसा था-पहली बार आसमान से गिरती आग की जगह वहां राहत के बादल उमड़े। युद्ध विराम के बाद गाजा की गलियों में जो बदलाव दिख रहा है, वह केवल भौतिक नहीं, भावनात्मक भी है। जहां कल तक हर घर में मातम था, आज वहां बच्चे फिर से खेल के मैदानों की ओर लौट रहे हैं। अस्पतालों में घायलों का इलाज चल रहा है, स्कूलों में किताबों की सरसराहट सुनाई दे रही है, और बाज़ारों में खरीद-फरोख्त की हलचल ने जीवन की वापसी का संकेत दिया है। परंतु इन हलचलों के पीछे अभी भी वह डर, वह अविश्वास और वह गहरी पीड़ा मौजूद है जो वर्षों के संघर्ष ने लोगों के मन में छोड़ दी है। समझौते की शर्तों के अनुसार अब गाजा का प्रशासन एक अंतरिम फिलिस्तीनी तकनीकी समिति को सौंपा जाना है, जो आगे चलकर फिलिस्तीनी अथॉरिटी को सत्ता हस्तांतरित करेगी। यह कदम नाजुक और जटिल है, क्योंकि इजरायल ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी की सीधी भूमिका को लेकर आपत्ति जताई है। दूसरी ओर हमास को किसी भी राजनीतिक या प्रशासनिक भूमिका से बाहर रखा गया है, हालांकि संगठन अपने अस्तित्व और हथियार छोड़ने को लेकर अभी भी असमंजस में है। इस स्थिति ने गाजा के शासन तंत्र को एक कठिन मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां शांति और शक्ति संतुलन दोनों को बनाए रखना एक चुनौती है।

सबसे बड़ी चुनौती है गाजा का पूर्ण निरस्त्रीकरण। ट्रंप की योजना के अनुसार क्षेत्र को सैन्य प्रभाव से मुक्त कर नागरिक शासन की स्थापना करनी है। मगर हमास का तर्क है कि जब तक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य का औपचारिक गठन नहीं होता, वह अपने हथियार नहीं छोड़ेगा। इजरायली सेना अभी भी गाजा के लगभग आधे से अधिक हिस्से पर सुरक्षा घेरे में मौजूद है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह संघर्षविराम स्थायी शांति में बदल पाएगा, या यह केवल एक अस्थायी विराम है, जिसके पीछे फिर कोई नई आग सुलग रही है। फिर भी, जो सबसे सकारात्मक पहलू उभरकर सामने आया है, वह है मानवीय राहत और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने एकजुट होकर गाजा को फिर से खड़ा करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। संयुक्त राष्ट्र, मिस्र, क़तर और तुर्किए जैसे देशों ने आर्थिक सहायता और राहत सामग्री भेजनी शुरू कर दी है। अस्पतालों में नई दवाएं पहुंच रही हैं, पानी और बिजली की आपूर्ति धीरे-धीरे बहाल हो रही है, और अस्थायी शिविरों में रहने वाले हजारों शरणार्थी अपने घरों की ओर लौटने लगे हैं। फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई ने कई परिवारों को पुनर्मिलन की भावनात्मक राहत दी है। हालांकि, अभी भी कई परिवार अपने लापता प्रियजनों के बारे में अनिश्चित हैं। मृतकों के शवों की खोज और पहचान को लेकर विवाद जारी है, जिससे इस राहत प्रक्रिया में भावनात्मक तनाव बना हुआ है। लेकिन फिर भी, इन सबके बीच एक विश्वास की डोर बंधी है-कि अब गाजा के लोग शायद एक नए सवेरा की ओर बढ़ रहे हैं। गाजा के भविष्य को लेकर दो मुख्य मुद्दे अभी भी चर्चा में हैं-पहला, इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और दूसरा, दीर्घकालिक सुरक्षा व्यवस्था की रूपरेखा। अंतरराष्ट्रीय बोर्ड, जिसकी अध्यक्षता ट्रंप कर रहे हैं, अब पुनर्निर्माण और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय हो गया है। फिलिस्तीनियों को आवागमन, रोजगार और शिक्षा की स्वतंत्रता देने की दिशा में भी कुछ शुरुआती कदम उठाए गए हैं। इन पहलियों के बीच गाजा में एक नया भरोसा जन्म ले रहा है, हालांकि यह भरोसा बहुत नाजुक है। शांति की यह प्रक्रिया आसान नहीं है। युद्ध ने वहां की सामाजिक संरचना, अर्थव्यवस्था और मनोविज्ञान-तीनों को गहराई से झकझोर दिया है। हजारों बच्चे जिन्होंने अपने माता-पिता को खोया, या जिन्होंने बमों के बीच बचपन बिताया, उनके लिए यह बदलाव केवल भौतिक नहीं, मानसिक उपचार की शुरुआत है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां अब मनोवैज्ञानिक परामर्श और शिक्षा बहाली के कार्यक्रम चला रही हैं, ताकि नई पीढ़ी युद्ध की छाया से बाहर आ सके। पर यह भी सच है कि अभी स्थायी समाधान की राह में कई बाधाएं बाकी हैं। हमास का हथियारबंद ढांचा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ, इजरायली सेना की सीमित मौजूदगी अभी भी फिलिस्तीनी स्वायत्तता पर सवाल उठाती है, और फिलिस्तीनी अथॉरिटी की प्रशासनिक क्षमता भी परखी जा रही है। ऐसे में शांति और स्थिरता की राह केवल समझौतों या मध्यस्थताओं से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और न्याय की पुनर्स्थापना से तय होगी।

गाजा के लोग अब यह समझ चुके हैं कि स्थायी शांति केवल हथियार डालने से नहीं, बल्कि जीवन को फिर से अर्थ देने से आती है। वे जानते हैं कि रोटी, शिक्षा और सम्मान-इन तीनों के बिना कोई भी शांति टिक नहीं सकती। यही कारण है कि आज गाजा में स्कूलों के खुलने, बाजारों के सजने और घरों में दीये जलने की खबरें किसी राजनीतिक घटना से अधिक मानवीय विजय का प्रतीक बन गई हैं। इस युद्ध विराम ने वहां के आम जनजीवन को न केवल राहत दी है, बल्कि यह साबित किया है कि सबसे अंधेरी रात के बाद भी सवेरा संभव है। अब यह सवेरा कितनी देर तक ठहरता है, यह आने वाले समय की कसौटी पर निर्भर करेगा। फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि गाजा की यह नयी शुरुआत केवल युद्ध की समाप्ति नहीं, बल्कि न्याय, मानवता और स्थायित्व की ओर पहला कदम है। और शायद यही वह राह है, जिस पर चलते हुए आने वाली पीढ़ियां एक दिन कह सकेंगी-गाजा ने अंततः जीवन को जीत लिया।

मंथन

दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के उपाय

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नानाजी देशमुख ने जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत की है। धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिषन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देश दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। इन योजनाओं के लिए 35,440 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आरंभ की जा रही हैं। दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्ष 2030-31 तक उत्पादन को 252 लाख टन से बड़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। इस हेतु 35 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि दलहन उत्पादन के दायरे में लाई जाएगी। विडंबना देखिए, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दलहन उत्पादन और उपभोक्ता देश है, लेकिन दालों की आपूर्ति आयात पर निर्भर हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में कृषि निर्यात दोगुना हो गया है। लेकिन दालें आयात करनी पड़ती हैं।

आहार में पौष्टिक तत्वों का कारक मानी जाने वाली दालें,बढ़ते दामों के कारण गरीब की शारीरिक जरूरत पूरी नहीं कर रही हैं। ये हालात मानसून के दौरान औसत से कम या ज्यादा बारिश होने से तो उत्पन्न होते ही हैं, किसान के नकदी फसलों की ओर रुख करने के कारण भी हुए हैं। यही नहीं यह स्थिति इसलिए भी बनी, क्योंकि कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार की गलत नीतियों के चलते किसान को खाद्य वस्तुओं की बजाय, ईंधन, प्लास्टिक और फूलों की फसल उगाने के लिए, कृषि विभाग ने जागरूकता के अभियान चलाए। यही वजह रही कि भूमंडलीकरण के दौर में दालों की पैदावार लगातार कम होती चली गई। दाल उत्पादन का रकबा लगभग 15 हजार हेक्टेयर कम हो गया। भारत में दालों की सालाना खपत 220 से 230 लाख टन है। मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर के चलते जमाखोरों और दाल के आयातक व्यापरियों को भी बारे-न्यारे करने का मौका मिल जाता है।

पौष्टिक आहार देश के हरेक नागरिक के स्वस्थ जीवन से जुड़ा अहम प्रश्न है। संविधान के मूलभूत अधिकारों में भोजन का अधिकार शामिल है। चूंकि दालें प्रोटीन और पौष्टिकता का महत्वपूर्ण जरिया हैं। चूंकि दालें आयात करनी होती हैं, इसलिए इनके भाव भी बीच-बीच में बढ़ जाते हैं। इस कारण मध्यवर्गीय व्यक्ति की थाली से दाल गायब होने लगती है। चुनांचें दाल व्यक्ति की सेहत से जुड़ी हैं और बीमारी की हालत में तो रोगी को केवल दाल-रोटी खाने की ही सलाह चिकित्सक देते हैं। वर्ष 1951 में प्रतिव्यक्ति दालों की उपलब्धता 60 ग्राम थी,जो वर्ष 2010 में घटकर 34 ग्राम रह गई। जबकि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार यह मात्रा 80 ग्राम होनी चाहिए। दालें भारत में प्रोटीन का प्रमुख स्त्रोत मानी जाती हैं। लेकिन स्थानीय मांग पूरी करने के लिए दाल उत्पादन में किसान को बड़ी मशक्त करनी पड़ती है। तुअर दाल की फसल आठ माह में तैयार होती है। बावजूद किसान को उचित दाम नहीं मिलते हैं। गोया,किसान साल में एक फसल उगाने में रुचि कैसे लें? विदेशों में रहने वाले भारतीय भी सबसे ज्यादा तुअर की दाल खाना पसंद करते हैं। देष में सबसे अधिक चने और अरहर की खेती होती है। इनके अलावा मूंग और उड़द की दालें पैदा होती हैं। देष में 10 राज्यों के किसान दालों की खेती करते हैं। इनमें सबसे अधिक उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है। दालें मुख्य रूप से खरीफ की फसल हैं,जो वर्षा ऋतु में बोई जाती हैं। इस ऋतु में करीब 70 प्रतिशत दालों का उत्पादन होता है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार दालों के तात्कालिक भाव 85.42 प्रति किलो से लेकर 112.88 रुपए किलो तक हैं। भावों में इस उछाल का कारण जमाखोरी और सट्टेबाजी के साथ आयात का कुचक्र है। टाटा, महिंद्रा, ईजी-डे और रिलांइस जैसी बड़ी कंपनियां जब से दाल के व्यापार से जुड़ी हैं,तब से ये जब चाहे तब मुनाफे के लिए दाल से खिलवाड़ करने लग जाती हैं। जब कंपनियां बड़ी तादाद में दालों का भंडारण कर लेती हैं,तो भावों में कृत्रिम उछाल आ जाता है। हालांकि केंद्र सरकार ने दालों का भंडारण सितंबर 2024 से सीमित किया हुआ है। इस नाते यह कहने में कोई दो राय नहीं कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बात तो छोड़िए, देशी कंपनियां भी भारतीय कृषि को बदहाल बनाए रखना चाहती हैं। आयात की जब इन्हें खुली छूट मिल जाती है तो ये जरूरत से ज्यादा दाल व तेल का आयात करके भारत को डंपिंग ग्राउंड बना देती हैं। तय है, कालांतर में भारत की तरह दूसरे देशों में यदि मौसम रूठ जाता है तो दाल और प्याज की तरह खाद्य-तेल के भाव भी आसमान छूने लग जाते हैं। सस्ते तेल का आयात जारी रहने की वजह से ही भारत में तिलहन का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। बावजूद हमारे नेता ऐसी नीतियों को बढ़ावा देने की कोशिशों में लगे रहे हैं कि दलहन और तिलहत के क्षेत्र में भारत पूरी तरह परावलंबी बना रहे। इस परिप्रेक्ष्य में मनमोहन सरकार के कृषि मंत्री बलराम जाखड़ ने सलाह दी थी कि भारत अफ्रीका में दालें उगाए और फिर आयात करे। इसी तरह संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहे शरद पवार म्यांमार और उरुग्वे में दालें पैदा कराकर आयात करना चाहते थे। ये सुझाव समझ से परे हैं। आखिर ऐसे क्या रहस्य हैं कि हमारे नीति-नियंता विदेशी धरती पर तो दाल उत्पादन को प्रोत्साहित करना चाहते हैं, किंतु देश के किसानों को लाभकारी मूल्य देना नहीं चाहते ? ऐसी मंशाएं देश की खाद्य सुरक्षा को जान-बूझकर संकट में डालने जैसी लगती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नाते 100 पिछड़े जिलों में दालों के उत्पादन का दायरा बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

नजरिया

मारिया की राजनीति और राहुल गांधी की सियासी उलझन

हरीश शिवनानी

मोबाइल : 9829210036

वैश्विक राजनीति अक्सर ऐसी जटिल उलझनें पैदा कर देती है जहाँ सिद्धांत और व्यावहारिक राजनीति के बीच का अंतर पेचीदा हो जाता है। नोबेल शांति पुरस्कार 2025 विजेता वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो और भारत के कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक दिलचस्प परिदृश्य उत्पन्न हो गया गया है। मारिया अपने देश में सरकार के खिलाफ, लोकतंत्र, मतदान में धांधली, भ्रष्टाचार आदि को लेकर संषर्ष कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनकी इस राजनीति की सराहना करते हैं क्योंकि ऐसा ही वे भारत में अपनी राजनीति में कर रहे हैं। कांग्रेसी मारिया और राहुल को एक ही डाल का पंछी मानते हैं। यहाँ तक कि कांग्रेस के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने तो राहुल गांधी के लिए भी नोबेल की मांग कर डाली। वे मारिया को राहुल गांधी की समर्थक मानते हैं। मारिया ने एक बार राहुल गांधी की तारीफ में ट्वीट भी किया था। दूसरी ओर वास्तिवकता यह है कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सियासत और मारिया की राजनीति और विचारधारा में गहरा अंतर्विरोध है। यह अंतर्विरोध ही राहुल और कांग्रेस के लिए जटिल उलझन और गले की फांस बन गया गया है। मारिया की राजनीति अपनी जगह उनके लिए मुफ़ीद है लेकिन राहुल गांधी की सियासत अलग है।

मारिया को नोबेल की घोषणा करते हुए नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने उन्हें लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही के खिलाफ 'अथक प्रयास' के लिए सराहा। हालांकि, माचाडो की धुर दक्षिणपंथी विचारधारा-जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन, इजराइल की नीतियों की पक्षधरता और आर्थिक निजीकरण की वकालत शामिल है- ने कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए पसोपेश वाली स्थिति पैदा कर दी है।

मारिया कोरिना माचाडो का राजनीतिक उदय वेनेजुएला की समाजवादी सरकारों के खिलाफ प्रतिरोध पर आधारित है। 1967 में जन्मी माचाडो, एक पूर्व सांसद और इंजीनियर, 2012 से विपक्षी गठबंधन की प्रमुख रही हैं। उन्होंने ह्यूगो चावेज़ और निकोलास मादुरो की सरकारों पर चुनावी धांधली, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोप लगाए। ऐसा ही राहुल गांधी भारत में भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ करते हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में, मादुरो सरकार ने मारिया को अयोग्य घोषित कर दिया, जिसके बाद उन्होंने एडमुंडो गोंजालेज़ को समर्थन देकर विपक्ष को एकजुट किया। इन प्रयासों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाई, जिसमें अमेरिकी प्रतिबंधों और विदेशी सहायता की मांग शामिल थी। मारिया की विचारधारा की अपनी राजनीति है। उन्होंने अपना पुरस्कार ट्रम्प को समर्पित करते हुए उन्हें हमारे संघर्ष का निर्णायक समर्थक' बताया। मारिया ने अपने देश मे अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की भी वकालत की, जिससे वेनेजुएला में आर्थिक संकट बढ़ा। इजराइल के प्रति उनका रुख साफ है। उन्होंने इजराइल को स्वतंत्रता का 'सच्चा सहयोगी' कहा और गाजा संघर्ष में इजराइली कार्रवाइयों का समर्थन किया। इसके अलावा, माचाडो राज्य तेल कंपनी पीडीवीएसए के निजीकरण की भी पक्षधर हैं, जो समाजवादी विचारधारा के विपरीत है।

इस बीच मारिया को नोबेल की घोषणा होते ही भारत में कांग्रेस ने मारिया के पुरस्कार को अपने राजनीतिक नैरेटिव से जोड़ने का प्रयास किया। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि मारिया ने वेनेजुएला में लोकतंत्र के लिए जो संघर्ष किया, वही राहुल गांधी भारत में कर रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सोशल मीडिया पर माचाडो की तुलना राहुल गांधी से की, उन्हें संविधान बचाने का योद्धा' बताते हुए उनके लिए भी नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। यह तुलना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है, जहां राहुल गांधी को चुनावी धांधली, संस्थागत क्षरण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर दिखाया जाता है। विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें तो यह नैरेटिव बहुत सतही है और राहुल तथा मारिया के बीच वैचारिक विरोधाभासों को अनदेखा करता है। कांग्रेस की ऐतिहासिक विचारधारा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और साम्राज्यवाद-विरोध पर टिकी है। पार्टी ने फिलिस्तीन मुद्दे पर हमेशा समर्थन दिया, जो उसके मुस्लिम मतदाता आधार और वामपंथी सहयोगियों से जुड़ा है। मारिया का इजराइल-समर्थक रुख कांग्रेस की नीतियों से सीधा टकराव पैदा करता है। कांग्रेस ने गाजा हमलों की निंदा की है, जबकि मारिया ने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सहयोगी' बताया।

इसी प्रकार, माचाडो का ट्रम्प समर्थन कांग्रेस के लिए असहज है, जिसने भाजपा पर !ट्रम्प-मोदी गठजोड़' के आरोप लगाए हैं। माचाडो की निजीकरण नीति भी कांग्रेस की समाजवादी नीति के विपरीत है। विश्लेषणात्मक रूप से, ये अंतर्विरोध कांग्रेस की वैचारिकता को चुनौती देते हैं। यदि कांग्रेस मारिया का समर्थन जारी रखती है, तो यह उसके वोट बैंक और सहयोगी दलों में दरार डाल सकती है, विशेष रूप से मुस्लिम और वामपंथी समूहों में, जहां माचाडो को इजराइल-समर्थक' माना जाता है।यदि पार्टी माचाडो का समर्थन करती है, तो वह वैचारिक समझौता करेगी, जिससे वोट बैंक दरक सकता है-उदाहरण के लिए, 2024 चुनावों में मुस्लिम वोटों का करीब 70 प्रतिशत कांग्रेस को मिला था। यदि मौन साधती है या आलोचना करती है, तो भाजपा इसे लोकतंत्र-विरोधी' बताकर प्रचार करेगी। राहुल गांधी की व्यक्तिगत स्थिति और भी जटिल है; वे न तो पूर्ण समर्थन कर पा रहे हैं और न विरोध। यह गहन दुविधा,जटिल उलझन कांग्रेस की रणनीतिक कमजोरी को उजागर करती है। राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से उनके मारिया कोरिना माचाडो का नोबेल पुरस्कार लोकतंत्र संघर्ष को मान्यता तो देता है, लेकिन यह वैचारिक जटिलताओं को भी सामने लाता है। कांग्रेस के लिए यह एक अवसर था जो दुविधा में बदल गया और गले की फांस बन गया जिससे निपटना बहुत मुश्किल है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खरीददारी

पंजाब के अमृतसर में आगामी 'दिवाली' त्योहार के लिए एक बाजार में सजावटी सामान बेचने वाले एक स्टॉल पर जाती एक महिला।

ढाई लाख से ज्यादा बच्चों पर किए गए शोध में विकास संबंधी समस्याओं की गंभीरता का पता चला

सिडनी। हमारे नए शोध में बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े एक महत्वपूर्ण लेकिन अब तक अनदेखे पहलू के बारे में पता चला है और वह यह है कि दो या इससे अधिक 'न्यूरोडेवलपमेंटल' समस्याओं के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। 'न्यूरोडेवलमेंटल' समस्याएं मस्तिष्क के विकास और कार्यप्रणाली को प्रभावित करती हैं। ये स्थितियां आमतौर पर बचपन में ही दिखाई देती हैं और सीखने, व्यवहार, संचार व सामाजिक कौशल जैसी चीजों को प्रभावित कर सकती हैं।हमने पाया कि जिन बच्चों में अनेक न्यूरोडेवलपमेंटल समस्याएं जैसे कि ध्यान लगाने में दिक्कत (एडीएचडी), ऑटिज्म, पढ़ने में परेशानी, देरी से विकास, बोलने में समस्या, मस्तिष्क पक्षाघात, मिर्गी, टॉरेट सिंड्रोम और व्यवहार संबंधी समस्याएं होती हैं, उनमें अवसाद की आशंका अधिक होती है।हमारे निष्कर्षों के स्वास्थ्य सेवाओं और नीतिगत योजना के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। ये इस बात पर ज़ोर देते हैं कि देखभाल की शुरुआत जल्दी हो और वह एकीकृत हो जहां न्यूरोडेवलपमेंटल, शैक्षिक और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं अलग-अलग काम करने के बजाय आपस में समन्वय के साथ काम करें।

हम देख रहे हैं कि पहले से अधिक बच्चे कई स्थितियों का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा अधिक बच्चों में दो या दो से अधिक न्यूरोडेवलपमेंटल समस्याएं पाई जा रही हैं।

साथ ही, दुनिया भर में बच्चों और युवाओं में अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आम होती जा रही हैं। लगभग नौ प्रतिशत बच्चों और युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।हालांकि, इस बारे में बहुत कम जानकारी थी कि कई न्यूरोडेवलपमेंटल स्थितियों से पीड़ित बच्चों में ये भावनात्मक कठिनाइयां कितनी बार सामने आती हैं, और क्या ऐसी स्थितियों की संख्या बढ़ने पर इनके होने का जोखिम भी बढ़ जाता है।इन पैटर्न को समझने से स्वास्थ्य पेशेवरों, स्कूलों और नीति निर्माताओं को सबसे अधिक जोखिम वाले बच्चों की पहचान करने और उन्हें शीघ्र, एकीकृत सहायता प्रदान करने में मदद मिल सकती है।हमने अमेरिका में एक बड़े, राष्ट्रीय स्तर का परिदृश्य दर्शाने वाले राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण किया। इस सर्वेक्षण में माता-पिता या देखभाल करने वालों से बच्चों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, विकास व पारिवारिक परिस्थितियों के बारे में जानकारी ली गई थी।हमने तीन से 17 वर्ष की आयु के 2,67,000 से अधिक बच्चों के 2016 से 2023 तक के आंकड़ों को एक साथ रखा।अभिभावकों से पूछा गया कि क्या उनके बच्चे को कभी दस में से किसी भी न्यूरोडेवलपमेंटल स्थिति का निदान किया गया है।हमने बच्चों को न्यूरोडेवलपमेंटल स्थितियों की संख्या के आधार पर पांच समूहों में वर्गीकृत किया: कोई एक या कोई नहीं (अर्थात एकाधिक नहीं), दो, तीन, चार, और पांच या उससे अधिक न्यूरोडेवलपमेंटल स्थितियां।

एक पीढ़ी में एक बार आने वाला मौका, हर चीज़ बदल रहा है एआईः ऑरेकल सीईओ सिसिलिया

लास वेगास/भाषा। ऑरेकल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) माइक सिसिलिया ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) अब केवल एक प्रौद्योगिकी बदलाव या नए फीचर की बात नहीं रह गई है, बल्कि यह एक ऐसी परिवर्तनकारी ताकत बन चुकी है जो दुनियाभर के व्यवसायों को पूरी तरह से नया आकार दे रही है।

सिसिलिया ने इसे एक पीढ़ी में एक बार आने वाला मौका बताया।

मंगलवार को शुरू हुए अपने वार्षिक कार्यक्रम 'ऑरेकल एआई वर्ल्ड' में अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज ने कई घोषणाएं भी कीं।

'ऑरेकल एआई वर्ल्ड' के मुख्य भाषण में सिसिलिया ने कहा कि एआई सब कुछ बदल रहा है, चाहे वह कंपनियों का ग्राहकों को सेवा देना हो, बेहतरीन कर्मचारियों को ढूंढ़ना हो, लागत बचाना हो, उत्पादकता बढ़ाना हो या नवाचार को बढ़ावा देना हो।

सिसिलिया ने कहा, आज हम एक बहुत खास समय में हैं जो एक पीढ़ी में एक बार आता है। इस समय सब कुछ बदल रहा है और अब तक किए गए हमारे सभी नवोन्मेषण आगे चलकर हमारे एआई मंच की मजबूत नींव बनेंगे। उन्होंने बताया कि चूंकि एआई हर जगह व्यवसाय को नया आकार दे रहा है, इसलिए ऑरेकल विश्वसनीय एआई प्रदान करने पर केंद्रित है जो विभिन्न उद्योगों में संगठनों में बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा, एआई अब सिर्फ नई-नई प्रौद्योगिकी लाने या कुछ नए फीचर जोड़ने तक ही सीमित नहीं है।

प्रेग्नेंसी के दौरान की थी 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग : इशिता दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है।

इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक 'नई शुरुआत' जैसा लग रहा है।उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं।

हाल ही में फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर. माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट बॉक्स में कहते दिखे कि यह पहले पार्ट से बेहतर फिल्म होगी। अंशुल शर्मा ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी तरुण जैन ने लव रंजन के साथ मिलकर लिखी है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, लव रंजन, और अंकुर गर्ग इसके निर्माता हैं। 'दे दे प्यार दे 2' 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'महाभारत' फेम पंकज धीर का निधन

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेता पंकज धीर का बुधवार सुबह निधन हो गया। उन्हें बीआर चोपड़ा के आइकॉनिक टीवी सीरियल 'महाभारत' में कर्ण का किरदार निभाने के लिए दुनियाभर में पहचान मिली। उनकी मौत की खबर की पुष्टि उनके सह-कलाकार और 'महाभारत' में अर्जुन बने फिरोज खान ने अपने सोशल मीडिया पर की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, एक सज्जन व्यक्ति ने दुनिया को अलविदा कह दिया। आपकी बहुत याद आएगी दोस्त पंकज धीर।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंकज धीर का देहांत 15 अक्टूबर को सुबह 11:30 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि वह लंबे अरसे से कैंसर का इलाज करा रहे थे, जिसके चलते उनका देहांत हुआ है। वह इससे जंग जीत चुके थे, लेकिन कुछ महीने पहले यह फिर से फैल गया। इस दौरान उनकी एक बड़ी सर्जरी भी हुई थी। पंकज धीर के निधन से इंडस्ट्री और फैंस गहरे शोक में डूबे हैं। बताया जा रहा है कि उनका अंतिम संस्कार शाम 4:30 बजे मुंबई के विले पार्ले शमशान घाट में किया जाएगा।

पंकज धीर को टीवी धारावाहिक 'महाभारत' में कर्ण की भूमिका और 'चंद्रकांता', 'द ग्रेट मराठा', 'युग' तथा 'बढ़ो बहू' में उनकी अन्य भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में छोटी भूमिकाओं में अभिनय किया, जिनमें 'सड़क', 'सोल्जर' और 'बादशाह' शामिल हैं। जहां 'महाभारत' ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई, वहीं फिल्मों में सपोर्टिंग रोल्स ने बॉलीवुड में उनकी मौजूदगी दर्ज कराई। उनके जाने से फिल्म जगत को बहुत बड़ी क्षति पहुंची है।

प्रचार

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी आगामी फिल्म 'थम्मा' के प्रचार के दौरान।

अनिल कपूर ने फिल्म 'सूबेदार' की डबिंग पूरी की

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेता अनिल कपूर ने अपनी आगामी फिल्म 'सूबेदार' की डबिंग पूरी कर ली है। 'तुम्हारी सुलु' और 'जलसा' जैसी फिल्मों से शोहरत पाने वाले सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित 'सूबेदार' का निर्माण अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट, 'ओपनिंग इमेज', 'अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा किया गया है। त्रिवेणी ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर मंगलवार को एक पोस्ट शेयर की जिसमें डबिंग सेशन के दौरान अनिल कपूर और सौरभ शुक्ला नजर आ रहे हैं। कपूर ने अपनी 'इंस्टाग्राम स्टोरी' पर इस पोस्ट को फिर से साझा करते हुए लिखा, 'डबिंग रैप'। यह फ़िल्म सूबेदार अर्जुन सिंह की कहानी है जो अपने निजी जीवन में मुश्किलों से जूझते हुए अपनी बेटी के साथ तनावपूर्ण संबंधों और सामाजिक विषमताओं का सामना करते है। फिल्म में राधिका मदान भी नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 में शुरू हुई और अभिनेता ने दिसंबर 2024 में फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर साझा की।

त्रिवेणी और प्रज्वल चंद्रशेखर फिल्म के सह-लेखक हैं। इससे पहले कपूर अपनी फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म 14 अगस्त को रिलीज़ हुई। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर अभिनीत यह फ़िल्म 2019 में रिलीज़ हुई 'वॉर' का सीक्वल थी।

'राजनीति मेरे स्वभाव के अनुरूप नहीं' : खेसारी लाल

पटना/एजेन्सी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राज्य की सियासत में न केवल राजनीतिक चेहरों की हलचल तेज हो गई है, बल्कि फिल्मी सितारों की राय और बयानबाजी भी सुर्खियों में है। खासकर भोजपुरी सिनेमा से जुड़े सितारे इन दिनों चर्चा के केंद्र में हैं। इसी बीच, भोजपुरी सुपरस्टार खेसारीलाल यादव ने बिहार की राजनीति को लेकर अहम बयान दिए। उन्होंने न केवल विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की सराहना की, बल्कि प्रशांत किशोर की सोच को भी सराहा। वहीं पवन सिंह के निजी विवाद पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी और समाधान की सलाह दी। खेसारी लाल यादव ने अपने बयान में साफ कहा कि अब वक्त आ गया है जब बिहार को एक बार बदलकर देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब तक बदलाव नहीं आएगा, तब तक राज्य का विकास भी संभव नहीं है। इस बार जनता की सोच में बदलाव आया है और जो नेता लोगों के विश्वास में खरा उतरेगा, वही चुनाव जीत सकता है।

उन्होंने तेजस्वी यादव के कामकाज की तारीफ करते हुए कहा कि तेजस्वी ने युवाओं के लिए नई संभावनाएं और मौके खोले हैं, जो पहले नहीं दिखते थे। खेसारी का मानना है कि एक मौका हर किसी को मिलना चाहिए और यदि किसी ने अच्छा काम किया है तो उसे फिर से आगे बढ़ने का मौका भी मिलना चाहिए। राजनीति में अपने प्रवेश को लेकर चल रही

अटकलों पर विराम लगाते हुए खेसारी लाल यादव ने साफ किया कि न तो वे खुद चुनाव लड़ना चाहते हैं और न ही उनकी पत्नी चंदा देवी चुनाव लड़ने की इच्छुक हैं।

उन्होंने बताया कि तेजस्वी यादव ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने विनम्रतापूर्वक मना कर दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति उनके स्वभाव के अनुरूप नहीं है और वे खुद को चुनावी माहौल में सहज महसूस नहीं करते। अपनी पत्नी को लेकर उन्होंने कहा कि वह भी चुनाव नहीं लड़ना चाहतीं क्योंकि इस समय बच्चे छोटे हैं और परिवार की प्राथमिकता ज्यादा अहम है।

पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच चल रहे विवाद पर खेसारी लाल ने कहा कि यह पवन सिंह का व्यक्तिगत मामला है, लेकिन अगर दोनों पक्ष बैठकर बात करें तो किसी भी विवाद का हल निकाला जा सकता है। खेसारी ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब पाकिस्तान और हिंदुस्तान जैसे देशों के बीच के विवाद बैठकर सुलझा सकते हैं, तो व्यक्तिगत विवाद भी बातचीत से सुलझाए जा सकते हैं। उन्होंने पवन सिंह को 'दुनिया के लिए एक आइकन' बताया और कहा कि उन्हें अपने जीवन में हो रहे घटनाक्रमों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उनका कहना था कि किसी भी लड़ाई का हल झगड़े से नहीं, समझदारी से निकलता है।

प्रशांत किशोर को लेकर पूछे गए सवाल पर खेसारी लाल ने खुलकर कहा कि वह प्रशांत किशोर की सोच और विचारधारा से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि किशोर बिहार को बदलने के लिए जो अभियान चला रहे हैं, वह सराहनीय है और उनका विजन साफ है। खेसारी ने कहा कि बदलाव जीवन का हिस्सा है और बिहार को भी अब बदलकर देखने की जरूरत है।

'गोडे गोडे चा 2' का बिल्लो जी इस सीजन का प्यार भरा एंथम है

मुंबई/एजेन्सी

प्यार को मिला देसी ढोल का ट्रिस्टा गोडे गोडे चा 2 का अगला म्यूज़िकल जेम 'बिल्लो जी' अब रिलीज़ हो चुका है, जिसे गाया है दमदार जोड़ी एमी विर्क और गुरजैज़ ने। कप्तान के मज़ेदार बोल और एन वी के जोश से भरपूर भांगड़ा बीट्स के साथ, यह गाना दिखाता है कि अपने प्यार को रिझाने के लिए स्टाइल, सचाई और जबरदस्त डांस के साथ लड़के किस हद तक जा सकते हैं। यह गाना शरारती भी है, रंगीन भी और सबसे खास बात, यह इस सीज़न का सबसे बड़ा लव एंथम बनने जा रहा है। गाने के बारे में बात करते हुए, एमी विर्क ने कहा, बिल्लो जी एक बहुत ही खूबसूरत वाइब है। यह खेल-उल्लास, रोमांटिक और फुल-ऑन भांगड़ा एनर्जी वाला ट्रैक है, जो इसे सुनने वाले को अपने पैरों पर थिरकने पर मजबूर कर देता है। यह प्यार का पंजाबी अंदाज़ में जश्न है और मुझे पूरा यकीन है कि यह हर लड़के का फेवरेट एंथम बन जाएगा।

गाने पर अपने उत्साह व्यक्त करते हुए, विजय कुमार अरोड़ा ने कहा, बिल्लो जी के ज़रिए हमने उस चुलबुले व बड़े पैमाने के पंजाबी रोमांस को कैप्चर करने की कोशिश की है, जहाँ हर इमोशन ज़ोरदार है और हर जेस्चर ग्रैंड। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि फिल्म का वह पल है, जहाँ एनर्जी अपने शिखर पर पहुँच जाती है और मैं यकीन के साथ कह सकता हूँ कि दर्शक भी उस जादू को महसूस करेंगे।

गोडे गोडे चा 2 नेशनल अवॉर्ड विजेता ब्लॉकबस्टर ओरिजिनल की परंपरा को आगे बढ़ाता है, जिसमें जेंडर को-एग्ज़िस्टेंस पर एक नई और मनोरंजक नज़र डाली गई है। ज़ी म्यूज़िक द्वारा जारी इसका संगीत एल्बम इस सीज़न की सबसे रोमांचक म्यूज़िकल रिलीज़ में से एक बनता जा रहा है। अपनी झूमाने वाली रिदम और प्यार के रंगीन जश्न के साथ, 'बिल्लो जी' आने वाले समय की झलक पेश करता है। गोडे गोडे चा 2, जिसे ज़ी स्टूडियोज़ और वीएच एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है, 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। शक्तिशाली थीम्स और हाई-एनर्जी म्यूज़िक के इस मेल से यह फिल्म दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ सोचने पर मजबूर करने वाला सिनेमा अनुभव भी प्रदान करेगी।

दीपावली पर मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डूबना चाहती हूं : पारुल गुलाटी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इस बार दीपावली का त्योहार अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाएंगी। उनके लिए दीपावली सिर्फ एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक लंबे जश्न की शुरुआत है जो नए साल तक चलता है। आईएएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा, ''दीपावली के दिन मेरी योजना अपने परिवार के साथ घर पर रहने की है। लेकिन उससे पहले, हां, मैं कुछ दोस्तों की दीपावली पार्टियों में जा रही हूं। इन पार्टियों में ढेर सारी मिठाइयां खाने का इंतजार कर रही हूं।'

' पारुल का मानना है कि दीपावली से लेकर नए साल तक का समय खुशियों और स्वादों से भरा होता है, जिसमें खुद को रोकना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''मुझे लगता है कि जब मुंह में मिठाई चली जाती है, तो एक ही काफी नहीं होती। इसके बाद आपको खाते ही रहना पड़ता है। इस पूरे फेस्टिव सीजन में मेरा कोई फिटनेस प्लान नहीं है। इस समय मैं खुद को मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डुबो देना चाहती हूं और यही मेरा प्लान है।'' पारुल ने साझा किया कि हर साल दीपावली के बाद वह अपनी नानी के घर जाती हैं और वहां एक हफ्ते तक परिवार के साथ समय बिताती हैं।

यह उनके लिए एक खास परंपरा की तरह है, जिससे वह हर साल जुड़ी रहती हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जब तक ये त्योहार खत्म नहीं हो जाते, तब तक फिटनेस के बारे में सोचने का सवाल ही नहीं उठता। फिल्मी करियर की बात करें तो पारुल गुलाटी ने 'पी.ओ.डब्ल्यू.- बंदी युद्ध के', 'सेलेक्शन डे', और 'गर्ल्स हॉस्टल' जैसे चर्चित शोज में काम किया है। अब वह जल्द ही एक नई वेब सीरीज 'दोनाली' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ दिव्येंदु और बरुन सोबती जैसे लोकप्रिय अभिनेता भी हैं। यह सीरीज 1960 के दशक के चंबल की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे मध्य प्रदेश की अलग-अलग जगहों पर शूट किया गया है। शो का निर्देशन ई निवास ने किया है। इसमें चंकी पांडे और यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं।

विचारों और कार्यों से जैन होना महत्वपूर्ण : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। बुधवार को स्थानीय जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि केवल जन्म से जैन होना ही काफी नहीं है, विचारों और कार्यों से जैन होना बहुत महत्वपूर्ण है। ज्ञान, दर्शन व चरित्र की शुद्ध साधना के बिना जैन होना असंभव है। जैन परंपरा सिर्फ मान्यता या पूजा की पद्धत्ति नहीं है, बल्कि यह एक प्राचीनतम दार्शनिक विचारधारा है। पिछले सौ-दो सौ वर्षों में देश-विदेश में विभिन्न धर्मों के ऐसे हजारों लोग उभर कर सामने आये हैं, जिन पर जैनदर्शन के मौलिक सिद्धांतों का गहरा प्रभाव दिखाई देता है। वास्तव में जैन केवल वैश्यों का धर्म नहीं हैं, वहां क्षत्रियों, ब्राह्मणों और क्षुद्रों का भी अपार प्रभाव रहा है। जर्मनी के जाने-माने विद्वान डॉ. हर्मन जैकोबी ने जैनदर्शन का तलस्पर्शी अध्ययन किया था। इसके लिए उन्होंने पचास वर्ष की आयु के बावजूद न सिर्फ संस्कृत और प्राकृत सीखी थीं, बल्कि इन दोनों भाषाओं के वे मूर्धन्य विद्वान बन गए थे। उन्होंने जैन आगम शास्त्र कल्पसूत्र का पहले जर्मनी में और बाद में अंग्रेजी में अद्भुत अनुवाद कर जैन सिद्धांतों की उल्लेखनीय सेवा की।

जैनाचार्य ने आगे कहा कि शराब, मांसाहार, जुआ, शिकार, हिंसा, दुराचार आदि सभी बड़े पाप-अपराधों से मुक्त बनकर हर्मन जैकोबी ने जैन साधना पद्धत्ति को अपनी जीवनशैली बना दिया था। उन्होंने अपनी डायरी में लिखकर भगवान से यह प्रार्थना की थी कि उनका अगला जन्म जैनकुल में हों। इस प्रकार एक विदेशी ईसाई विद्वान ने जैनधर्म के आधार पर अपनी और हजारों लोगों की जिंदगी बदल दी थी। हर्मन जैकोबी के पीछे सैकड़ों विदेशी लोगों ने जैनधर्म अंगीकार किया था। आचार्यश्री ने बताया कि नोबेल पुरस्कार विजेता और सर की उपाधि से नवाजे गए विश्वप्रसिद्ध नाटककार जाजर्र बर्नार्ड शॉ पर जैन तीर्थंकर महावीरस्वामी के अहिंसा और शाकाहार के सिद्धांतों का गहरा प्रभाव पड़ा था। इन सिद्धांतों पर अंग्रेजी भाषा में लिखी एक छोटी पुस्तिका को पढ़कर वे शुद्ध शाकाहारी और अहिंसक बन गए थे। बर्नार्ड शॉ ने भी अपनी डायरी में परमात्मा से यह अंतिम कामना की थी कि उनका अगला जन्म भारत भूमि पर और विशेषकर जैन परिवार में हों।

उनको चाहने वाले हजारों लोगों ने शाकाहारी बनकर वेजिटेरियन सोसाइटी की स्थापना की थी। आज विश्व के अलग अलग देशों में वेजिटेरियन सोसाइटी के सैकड़ों केंद्र कार्यरत हैं और लाखों लोग शाकाहारी बन चुके हैं। एक विदेशी विद्वान द्वारा की गई जैनधर्म, अहिंसा, शाकाहार और मानवता की यह बहुत बड़ी सेवा है। सत्य, ज्ञान, धर्म और सिद्धांतों का ऐसा प्रभाव उल्लेखनीय है।

मन पर विजय पाना ही ब्रह्मचर्य है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव के प्रसंग पर प्रभु की अंतिम वाणी का रसास्वादन चल रहा है। मुनिश्री ने कहा कि प्रभु ने मोक्ष में जाने से पूर्व भव्य जीवों के कल्याण के लिए उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से मोक्ष का मार्ग दिखाया है। प्रभु महावीर शासन के स्वामी हैं। सभी को सत्मार्ग दिखाया है। पापी मनुष्य को भी पार लगाया है। प्रभु शरण में आने वाला जीवन का कल्याण कर लेता है। प्रभु चरणों में जाते ही मानव के कर्मों की निर्जरा होने लगती है। ऐसी ज्ञान की वाणी सभी के लिए कल्याणकारी है। संतश्री ने बताया कि 16वां अध्याय ब्रह्मचर्य समाधि है।

आत्म रमन करना ही ब्रह्मचर्य है। मन पर जीत पाना ही ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य में रमन करना शील में रहना बहुत कठिन है। लेकिन यही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। जब मानव आत्मा में रमन करने लगता है तो वह सतर्क हो जाता है। इसके लिए विवेक की जरूरत होती है। धन दौलत से कीमती शील की रक्षा करना होता है। ङ्गज्ञानमुनिजी ने कहा कि ब्रह्मचर्य में रहना बहुत मुश्किल है। सब कुछ जीतना आसान है लेकिन मन को वश में करना बहुत कठिन है। हाथी का दांत तोड़ना, शेर को मारना आसान है लेकिन मन को बस में करना बहुत मुश्किल है। जिसने मन को वश में कर लिया वह ब्रह्मचर्य के मार्ग पर चल सकता है। इस शील, तन की रक्षा के लिए मन वश में होना बहुत जरूरी है। साधु को गोचरी के लिए भी जाना हो तो कहां जाना है, यह सोचना चाहिए। ऐसे ही हर जगह नहीं जाना चाहिए। जैन ही हो लेकिन अगर शाकाहारी नहीं हो तो वहां गोचरी के लिए साधु को नहीं जाना चाहिए। ऐसे ही ब्रह्मचर्य का पालन करने वालों के लिए कई नियम कानून होते हैं। उसका अगर पालन नहीं किया तो सब मामला गड़बड़ हो जाता है। भगवान की वाणी का अनुभव होने पर मानव गलत मार्गों पर जाने से बच जाता है। चंदन के वृक्ष में सांप लिपटा रहता है, लेकिन उसमें थोड़ा भी विष नहीं आता है। ऐसे ही साधु संतों को भी सचेत रहना चाहिए। रूखा सूखा जो भी हो वह खा लेना चाहिए। ज्यादा श्रृंगार और मेकअप भी नहीं करना चाहिए। नियंत्रण में रहना चाहिए। नियंत्रण में रह कर मन को वश में रख कर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया एवं कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने आभार व्यक्त किया । सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

आत्म-जागरण से ही खुलते हैं अनंत सुख के द्वार : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री आगमश्री ने कहा कि आत्मा के भीतर अनंत शक्तियाँ निहित हैं। मनुष्य जब आत्म-जागरण की दिशा में कदम बढ़ाता है, तभी उसके जीवन में सत्य का प्रकाश फैलता है। बाह्य संसार की चकाचौंध में भटकने की बजाय यदि वह अपने अंतर की ओर दृष्टि करे, तो उसे ज्ञात होगा कि परमात्मा कहीं बाहर नहीं, बल्कि उसी के भीतर विद्यमान है। उन्होंने कहा कि जब साधक सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र को अपनाता है, तभी वह धर्म के वास्तविक मार्ग पर अग्रसर होता है। क्रोध, मान, माया और लोभ ये चार कषायें आत्मा को मलिन कर देती हैं। जो व्यक्ति इनसे मुक्त होने का प्रयास करता है, वही सच्चे अर्थों में साधक कहलाता है। संयम वह दीपक है जो अंधकार रूपी अज्ञान को मिटाकर आत्मा के स्वरूप को प्रकाशित करता है। आत्म-कल्याण की दिशा में चलने वाला प्रत्येक कदम अनंत सुख का मार्ग खोल देता है। जब व्यक्ति भीतर से निर्मल होता है, तो उसकी वाणी में मधुरता, व्यवहार में सौम्यता और कर्मों में करुणा झलकती है। यही वह धर्म है जो न केवल आत्मा को ऊपर उठाता है, बल्कि समाज में प्रेम, शांति और सद्भाव का संचार करता है।ङ्गसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि आज के युग में भौतिक प्रगति के साथ-साथ आध्यात्मिक प्रगति भी अनिवार्य है। यदि मनुष्य केवल भौतिकता के पीछे भागेगा तो उसे क्षणिक सुख तो मिलेगा, पर स्थायी शांति कभी प्राप्त नहीं होगी। स्थायी सुख तभी संभव है जब हम अपने जीवन में संयम, साधना और सेवा का समावेश करें। चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जनराज बोहरा ने संचालन किया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वाईएस ग्रुप ऑफ इवेन्ट्स द्वारा गुरुवार को पैलेस ग्राउंड के क्राउन पैवेलियन में सांस्कृतिक कार्यक्रम गरबा रास का आयोजन किया, जिसमें गुजरात की प्रसिद्ध कलाकार गीता रैबारी प्रस्तुति देंगी। ग्रुप के सदस्यों ने गोप्रेमी महेंद्र मुणोत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

संसार में संयम से बड़ा सुख नहीं : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के वैराग्य प्रद प्रेरक उन्नीसवां मृगापुत्रीय अध्ययन पर सारगर्भित विवेचना करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि संसार में संयम से बड़ा कोई सुख नहीं है। इस अध्ययन में मृगापुत्र को एक संयमी साधक मुनिराज को देख कर उन्हें जाति स्मरण ज्ञान हो जाता है और वे पहले के नारकी, तिर्यंच आदि भवों का ज्ञान होता है और देखकर अपने माता पिता से दीक्षा की अनुमति मांगते हैं। इस प्रकार विषयों से विरक्त बने और संयम चरित्र में अनुरक्त बने। संयम में उत्कृष्ट वैराग्य भाव से तथा दृढ़ मनोबल के धनी मृगा पुत्र अपने माता पिता को संसार गृहस्थ जीवन में रहने और स्वयं को संयम मार्ग पर जाने की आज्ञा मांगते हैं। मृगा पुत्र विचलित नहीं होते हुए संयम ग्रहण कर लेते हैं और संयम साधना का सब प्रकार से पालन करते हुए परम पद सिद्धि मोक्ष पद को प्राप्त करते हैं। मुनिश्री ने आगे के अध्ययन में राजा श्रेणिक ओर अनाथी मुनि की कथा सुनाई। इसमें अनाथ और सनाथ का सुन्दर चित्रण प्रस्तुत किया गया है। ङ्गमुनि श्री ने संसारी वस्तुओं के भोग उपभोग में पुर्ण विवेक, सजगता, सावधानी बरतने और जागरूकता के साथ उनका दैनिक जीवन में उपयोग करने की प्रेरणा दी। बुधवार के श्रुत साधना में सहयोगी बने बेंगलूरु सेंट्रल संघ से अशोक रांका, महेन्द्र मुणोत, महावीर भिलवाड़िया, धर्मीचंद काठेड़, ज्ञानचन्द मुथा और विजयनगर संघ से रवि जैन, शंकर दक, सुनील लोढ़ा, महावीर गुगलिया, सौभागमल रांका आदि ने लिया। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति की ओर से सभी को धन्यवाद व दिया गया।

स्वस्तिश्री अरिहंतकीर्ति भट्टारक भरूच के समवशरण मंदिर में नियुक्त

300 वर्ष के बाद उत्तर भारत में भट्टारक परम्परा का हुआ फिर शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रवणबेलगोला। दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र श्रवणबेलगोला के अभिनव स्वस्ति चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी ने अभिनव स्वस्तिश्री अरिहंतकीर्ति भट्टारक स्वामीजी का भट्टारक पीठ पर सिंहासनारोहण और विधि के संस्कार किए। ज्ञातव्य है कि 300 साल के बाद उत्तर भारत में प्रथम बार भट्टारक परम्परा का शुभारम्भ हुआ और प्रमेय सागर स्वामीजी भट्टारक पद पर आसीन हुए।

प्रमेय सागर स्वामी ने सात वर्षों तक श्रवणबेलगोला में स्वस्ति चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी के सान्निध्य में शिक्षा व विविध विधाओं पर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया था। वर्तमान समय में नए भट्टारकजी गुजरात में भरूच के समवशरण मंदिर के नियुक्त किए गए।ङ्ग इस अवसर पर अभिनव चारुकीर्ति स्वामीजी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि अति प्राचीन दिगम्बर जैन सम्प्रदाय में भट्टारक एक महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए मठों का नेतृत्व करते हुए मठों के धार्मिक अनुष्ठान का संचालन और मंदिरों की संपत्ति का प्रबंधन करते हैं। इस अवसर पर कम्बदहल्ली के भट्टारक भानुकीर्ति स्वामीजी, मूडबिदरी के भट्टारक चारुकीर्ति स्वामीजी, अरतीपुर के सिद्धांत कीर्तिजी, अरिहंत गिरि के धवलकीर्तिजी, हस्तिनापुर के जीवंधर जैन सहित देश के विभिन्न राज्यों के अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे ।

तेयुप राजाजीनगर को सेवा के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार मिला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अहमदाबाद में विराजित आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 59वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'एकत्व' में देशभर की 366 शाखा परिषदों के कार्यों का मूल्यांकन कर अभातेयुप द्वारा बेंगलूरु सत्र 2024-25 के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया के नेतृत्व में सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रथम स्थान प्राप्त हुआ तथा अन्य कार्यक्रमों के लिए भी कुल 13 पुरस्कार मिले। इस अवसर पर तेयुप के अध्यक्ष जितेश दक, पूर्व अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया, कमलेश गन्ना, सतीश पोरवाड़, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, जयंतीलाल गांधी, मंत्री अनिमेष चौधरी, जितेन्द्र कोठारी ने सम्मान प्राप्त किया।

प्रियंक खरगे ने आपत्तिजनक फोन कॉल का वीडियो साझा किया, युवाओं को चरमपंथ से बचाने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने बुधवार को एक फोन कॉल का वीडियो साझा किया जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति को खुद को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा होने का दावा करते और उन्हें हिंदी में ''अपशब्द'' कहते सुना जा सकता है। इससे एक दिन पहले खरगे ने दावा किया था कि सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने पर उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाकर धमकी भरे फोन आ रहे हैं, जिसके बाद यह वीडियो सामने आया है। वीडियो क्लिप में खरगे को फोन करने वाले व्यक्ति से यह पूछते हुए सुना जा सकता है कि क्या आरएसएस और उसकी शाखा ने उन्हें ऐसी अभद्र भाषा सिखाई है और क्या आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष ने इसका समर्थन किया है।

बातचीत का वीडियो अपलोड करते हुए खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने कहा था कि आरएसएस युवाओं और बच्चों के दिमाग में गंदगी भरने का काम कर रहा है, यहां एक छोटा सा उदाहरण है कि उन्होंने जो गंदगी भरी है, वह कैसी दिखती है। यह उन धमकियों और गाली-गलौज भरे फोन कॉल का एक नमूना मात्र है जो मुझे पिछले कुछ दिनों से लगातार मिल रही हैं।''

उन्होंने पूछा, ''क्या माताओं और बहनों को गालियाँ देकर और उन्हें बेहद घिनौने तरीके से अपमानित करना शाखाओं की संस्कृति है? क्या विजयेंद्र येडीयुरप्पा, आर अशोक, सी टी रवि, सुनील कुमार, प्रताप सिम्हा, चलवादी नारायणस्वामी जैसे भाजपा नेता, मोदी और मोहन भागवत की माताओं के साथ इस तरह के दुर्व्यवहार का समर्थन करते हैं?''

खरगे ने कहा, ''भाजपा नेताओं के बच्चे अपना भविष्य संवार रहे हैं, गरीबों के बच्चों का इस्तेमाल उन्हें इस तरह से गाली देने, डराने-धमकाने और प्रताड़ित करने के लिए कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर मैं शिकायत दर्ज कराऊंगा तो उस व्यक्ति की जान को तो नुकसान होगा, लेकिन उस व्यक्ति को ऐसी मानसिक स्थिति में धकेलने वालों को कोई नुकसान नहीं होगा।''

खरगे ने कहा, ''हमारी लड़ाई व्यक्तियों के विरुद्ध नहीं, बल्कि आरएसएस द्वारा फैलाई गई इस गंदी मानसिकता के विरुद्ध है, उन दुष्ट शक्तियों के विरुद्ध है जो मासूमों का 'ब्रेनवॉश' कर रही हैं और उनके विचारों को दूषित कर रही हैं।'' मंत्री ने कहा कि आरएसएस के स्वयंसेवकों को विभाजनकारी विचारधाराओं से निकालकर (गौतम) बुद्ध, गुरु बसव और (भीमराव) आंबेडकर के बहुमूल्य विचारों से परिचित कराना होगा।

मंत्री ने कहा, ''मैं मासूम बच्चों और युवाओं को ऐसी दूषित व्यवस्था का शिकार होने से बचाने के लिए लड़ंगा और कड़े कदम उठाऊंगा।'' उन्होंने कहा, ''अगर उन्हें लगता है कि मैं इन धमकियों और अपमान से परेशान हो जाऊंगा, तो यह केवल उनका भ्रम है। मेरी राजनीति केवल सत्ता-केंद्रित नहीं, बल्कि वैचारिक, जन-केंद्रित है जो मासूम युवाओं को इस दुष्चक्र से बाहर निकालेगी।

कर्नाटक में इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से राज्य भर के सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में आरएसएस की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था। उन्होंने दावा किया था कि ऐसी गतिविधियां भारत की एकता और संविधान की भावना के विपरीत हैं। मुख्यमंत्री को चार अक्टूबर को लिखे एक पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों एवं युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं।''

रेल व्हील फैक्टरी में स्वच्छता पर हुआ नुक्कड़ नाटक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । यहां यलहंका स्थित रेल व्हील फैक्ट्री ने स्वच्छता पखवाड़ा 2025 मनाया। इस दौरान फैक्ट्री और कॉलोनी परिसर में स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देने के लिए इस पखवाड़े के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह आयोजन गांधी जयंती पर विभिन्न स्वच्छता अभियानों के शुभारंभ के साथ शुरू हुआ। स्वच्छ नीर के तहत पानी की टंकियों की सघन सफाई और स्वच्छ आहार के तहत स्टाफ कैंटीनों का निरीक्षण और सफाई जैसी गतिविधियाँ कर्मचारियों को स्वच्छ वातावरण और अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और संवेदनशील बनाने के लिए आयोजित की गईं। इसी प्रकार, स्वच्छ प्रसादन के तहत 7 से 10 अक्टूबर के बीच शौचालयों की सफाई की गई। जागरूकता बढ़ाने के लिए, 14 अक्टूबर को स्वच्छता विषय पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के बीच व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करने और स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एकल-उपयोग प्लास्टिक को ना कहें पर एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी शुजा महमूद ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और पखवाड़े के दौरान आयोजित 'अपशिष्ट से कला' और पर्यावरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। पखवाड़े के कार्यक्रम के तहत कार्यस्थलों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई और पुराने अभिलेखों की निराई जैसी अन्य स्वच्छता गतिविधियाँ भी की गईं।

चातुर्मास की परंपरा का सनातन महत्व है : डॉ वरुणमुनि

आगामी चातुर्मास दिल्ली रोहिणी में होना तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन भवन में चातुर्मास प्रवचन में डॉ वरुण मुनिजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की तीन प्रमुख धाराएँ हिंदू, जैन और बौद्ध परंपरा अपने मूल में अध्यात्म, संयम और साधना पर आधारित हैं। इन तीनों ही परंपराओं में चातुर्मास का अत्यंत महत्त्व माना गया है। समय के साथ जहाँ वैदिक और बौद्ध परंपराओं में चातुर्मास की संकल्पना में कुछ परिवर्तन दृष्टिगोचर हुए हैं, वहीं जैन परंपरा में यह व्यवस्था आज भी अपने प्राचीन स्वरूप में गतिमान है। 'चातुर्मास' का अर्थ है चार महीनों का एक प्रवास। वर्षभर में फाल्गुनी, कार्तिकी और आषाढ़ी इन तीन पूर्णिमाओं से तीन चातुर्मास माने गए हैं, जिनमें आषाढ़ी पूर्णिमा से आरंभ होने वाला चातुर्मास सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इस अवधि में जैन साधु-साध्वियाँ एक स्थान पर स्थिर होकर प्रवचन, सत्संग, आत्मसाधना, स्वाध्याय, जप एवं ज्ञानार्जन में निमग्न रहते हैं। शेष आठ महीनों में वे ग्राम नगरों में भ्रमण कर जनमानस को सत्संग एवं नैतिक मूल्यों का संदेश प्रदान करते हैं।

बुधवार को प्रवचन में वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु देश के अनेक संघों ने संतों से निवेदन किया और राष्ट्रसंत पंकजमुनिजी ने वर्ष 2026 का चातुर्मास दिल्ली रोहिणी के एसएस जैन सभा सेक्टर 5 में होने की घोषणा की। चातुर्मास की घोषणा होते ही संघ में खुशी की लहर छा गई। ज्ञातव्य है कि गुजराती संघ में मुनिश्री का चातुर्मास 5 नवंबर को संपन्न होगा। तत्पश्चात गुरुदेव अपनी विहार यात्रा आरंभ करेंगे और दिल्ली की ओर विहार करेंगे। रूपेशमुनिजी ने बताया कि वर्ष 2002 में भी सेक्टर 5 में श्रुताचार्य अमरमुनिजी के सान्निध्य में चातुर्मास किया था।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**